हरियाणा सरकार | G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव

अंत्योदय
महासम्मेलन

मुख्य अतिथि — अध्यक्षता

श्री अमित शाह
केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री

श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा

2 नवम्बर, 2023

सुबह 10 बजे से | दशहरा ग्राउंड, करनाल

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

"दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया था। यानि जो समाज की आखिरी पंक्ति में हैं, उनका उदय। 21वीं सदी का भारत इसी विचार से प्रेरणा लेते हुए अंत्योदय के लिए काम कर रहा है। जो विकास के आखिरी पायदान पर है, उसे विकास के पहले पायदान पर लाने के लिए काम हो रहा है।"

- नरेन्द्र मोदी

सुशासन ही आधार 9 साल डबल इंजन हरियाणा सरकार

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

कृषि मंत्री का मेक्सिको और फ्रैंकफर्ट से देहरादून लौटने पर जोरदार स्वागत

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी अपने 10 दिवसीय मेक्सिको और फ्रैंकफर्ट के सफलतम विदेश दौरे से लौटने पर बुधवार को हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में भाजपा के पार्टी पदाधिकारियों कार्यकताओं स्थानीय जनता द्वारा कृषि मंत्री गणेश जोशी का देहरादून आगमन पर फूल मालाओं पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी बीते 22 अक्टूबर से विदेश दौरे पर थे। जहां उन्होंने मेक्सिको के कैनकुन शहर में थोक बाजार के वैश्विक संघ द्वारा आयोजित थोक बाजारों का विश्व संघ सम्मेलन 2023 में प्रतिभाग किया था। इसके अतिरिक्त मंत्री गणेश जोशी ने जर्मनी

के फ्रैंकफर्ट में थोक फल एवं सब्जी बाजार (मंडी) का भी भ्रमण किया गया। स्वागत समारोह में बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने मंत्री गणेश जोशी के सफलतम 10 दिवसीय विदेश दौरे को लेकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कौसाम्ब के अध्यक्ष होने के नाते उनके द्वारा यह भ्रमण किया गया। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में 165 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन में

मंथन

8 सम्मेलन में मंडियों के आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे और भविष्य की चुनौतियों को लेकर मंथन किया गया

मंडियों के आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे और भविष्य की चुनौतियों को लेकर मंथन किया गया।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा थाईलैंड और नीदरलैंड हॉल्टीकल्चर और फ्लोरी कल्चर में बेहतर कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा उत्तराखंड में हॉल्टीकल्चर और फ्लोरी कल्चर की अपार संभावनाएं हैं। मंत्री ने कहा शीघ्र ही राज्य में हॉल्टीकल्चर एवं फ्लोरी कल्चर के क्षेत्र में फील्ड में कार्य कर रहे लोगों को थाईलैंड और नीदरलैंड का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए दूरभाष के माध्यम से मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा यह दल थाईलैंड और नीदरलैंड का भ्रमण के पश्चात प्रदेश में अपने अनुभवों को साझा करेंगे। उन्होंने कहा विदेश भ्रमण के दौरान सभी अनुभवों का लाभ लेकर उत्तराखण्ड में थोक विपणन में विकासयुक्त परिवर्तन किये जायेंगे ताकि कृषि उपज के विपणन को आधुनिक किया जा सकें। मंत्री गणेश जोशी ने पार्टी कार्यकर्ताओं अपार नेह के लिए सभी का आभार भी व्यक्त किया।

पोखरी मेले को लेकर एसडीएम ने ली बैठक

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर। चमोली जिले के पोखरी तहसील मुख्यालय पर हर वर्ष आयोजित होने वाला हिमवंत कवि चंद्रकुंवर सिंह बत्र्वाल की स्मृति में लगने वाले सात दिवसीय मेले को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। गौरतलब है कि इस वर्ष हिमवंत कवि चंद्रकुंवर सिंह बत्र्वाल की स्मृति में आयोजित होने वाला सात दिवसीय मेला छह नवम्बर से आयोजित किये जाने का प्रस्ताव नगर पंचायत की ओर से रखा गया था। इसका व्यापारी दीपावली को ध्यान में रखते हुए विरोध कर रहे थे। बुधवार को एसडीएम ने नगर पंचायत, व्यापार संघ और अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें यह बात उभर कर सामने आयी की नौ नवम्बर को राष्ट्रपति

का चमोली में संभावित दौरा है। साथ ही सात नवम्बर को महाविद्यालयों के छात्र संघ चुनाव भी होने हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही दीपावली के दौरान अधिकांश कर्मचारियों, अधिकारियों का अपने-अपने घरों को चले जाने से व्यवस्था गड़बड़ा सकती है। व्यापारियों की ओर से पूर्व से ही दीपावली के दौरान मेले की बात पर नाराजगी व्यक्त की गई है। इस बाबत एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को भी भेजा गया है। एसडीएम की ओर से तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्रावली भेजी गई है। साथ ही यदि छह नवम्बर को मुख्यमंत्री का मेले में शिरकत का कार्यक्रम जारी होता है तो सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस और राजस्व विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है।

भाजपा का एससी/एसटी सम्मेलन केवल ढोंग : गरिमा दसौनी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून। उत्तराखंड भाजपा का लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आने वाले दिनों में विभिन्न स्तर पर एससी एसटी सम्मेलन आयोजित किए जाने को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कटाक्ष किया है। दसौनी ने कहा जब अल्मोड़ा जिले के सल्ट में अंतरजातीय विवाह करने की वजह से दलित समाज के जगदीश की 27 हड्डियां तोड़कर और सिर हथौड़े से मार कर हत्या की जा रही थी, उस वक्त सरकार और संगठन दोनों मौन क्यों थे? उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भाजपा संगठन उस वक्त भी चुप्पी साधे रहा जब उत्तरकाशी के मोरी जिले में 19 वर्षीय दलित समुदाय के आयुष

को रात भर कोयले से मात्र इसलिए जलाया गया कि उसने दलित समाज में जन्म लेने के बावजूद एक मंदिर में प्रवेश कर

साधा निशाना

8 आज वह 75000 युवाओं को पार्टी से जोड़ने का मुंगेरीलाल का सपना देख रही है जो कभी पूरा नहीं होगा

दिया था। दसोनी ने कहा आज बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर के निर्मित भारत के संविधान के साथ जिस तरह से भाजपा छेड़छाड़ कर रही है और प्रस्तावना एवं समस्त अध्ययन की किताबों में भी इंडिया की जगह पर भारत शब्द जोड़ने का निर्णय ले चुकी है, वह इस बात का द्योतक है कि भाजपा के मन में कभी ना आम्बेडकर के लिए सम्मान था ना संविधान के लिए और ना ही अनुसूचित जाति जनजाति के लिए। यह बात दलित समाज भी जानता है कि उन्हें भाजपा सिर्फ वोट बैंक की दृष्टि से देखती रही है। दसौनी ने कहा कि जिस तरह से जोर-शोर से भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व कांग्रेस के प्रस्तावित जाति जनगणना का विरोध कर रही है, वह भी इस बात का प्रतीक है कि भाजपा दलित समाज को अग्रणी भूमिका या मुख्य धारा में देखना ही नहीं चाहता। ऐसा प्रतीत होता है उत्तराखंड भाजपा लोकसभा चुनाव में पार्टी की होने वाली हार से बुरी तरह घबरा गई है, इसीलिए कभी पंच महेश्वर सम्मेलन तो कभी महिला मोर्चा के द्वारा मातृशक्ति का सम्मान तो कभी हारी हुई 23 विधानसभाओं में सांसदों को प्रवास पर भेजने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है,तो कभी 75000 युवाओं को पार्टी से जोड़ने का संकल्प लिया जा रहा। चुनाव के समय भाजपा को कभी महिलाओं की याद आ रही है तो कभी युवाओं की। अब अनुसूचित जाति जनजाति की। भाजपा संगठन भूल गया है की जिस वक्त युवा सड़कों पर नौकरी मांगने के लिए उतरे उस वक्त भाजपा की प्रदेश सरकार ने उनके ऊपर लाठियां भांजने का काम किया और आज वह 75000 युवाओं को पार्टी से जोड़ने का मुंगेरीलाल का सपना देख रही है जो कभी पूरा नहीं होगा।

संक्षिप्त खबरें

सैनिक कल्याण मंत्री से जनरल खत्री ने भेंट की, मंत्री जोशी ने सफलतम कार्यकाल की दी बधाई

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से बुधवार को सेवानिवृत हो रहे मेजर जनरल संजीव खत्री (रिटायर्ड) उत्तराखंड सब एरिया जीओसी ने भेंट की। इस अवसर पर जनरल संजीव खत्री ने मंत्री गणेश जोशी के विदेश दौरे से देहरादून लौटने पर उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने (से.नि.) मेजर जनरल संजीव खत्री को उनके रिटायर्मेंट होने पर उन्हें शॉल ओढ़ाकर व केदारनाथ मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट किया और उनके सफलतम कार्यकाल की बधाई- शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर निदेशक सैनिक कल्याण, ब्रिगेडियर अमृत लाल, उपनल एमडी जे.एस.बिष्ट भी उपस्थित थे।

राजभवन में 13 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मनाया गया स्थापना दिवस

देहरादून। राजभवन में 13 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस बुधवार को मनाया गया। इस दौरान इन राज्यों के उत्तराखण्ड में निवास कर रहे लोगों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है। यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम कला, संगीत, नृत्य, भोजन, खेल आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक दूसरे के साथ जोड़ने का काम कर रहे हैं।

बास्केटबॉल और कबड्डी की विजेता टीम के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग में विश्वविद्यालय की बास्केटबॉल और कबड्डी टीम की विजेता टीम का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रुड़की इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नॉलॉजी द्वारा आयोजित इन्टर यूनिवर्सिटी स्पोटेक चैम्पियनशिप 2023 की बास्केटबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता मे विजेता ट्राफी, मेडल एवं नकद पारितोषिक 11 हजार रुपये प्रति टीम लेकर चैम्पियशिप की विजेता बनी। विश्वविद्यालय पहुंचने पर दोनों टीमों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह मे बास्केटबॉल तथा कबड्डी टीम के खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुये कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहाकि गुरुकुल का खिलाड़ी गुरुकुलीय परम्परा का संवाहन एवं ब्रांड एम्बेसडर है। आज अधिकतर संस्थान खिलाड़ियों को खेल सुविधा तथा खेल के उचित अवसर न देकर खिलाडी की कार्य कुशलता का सही उपयोग नही कर पाते हैं। उन्होंने कहाकि गुरूकुल

सम्मान

8 विजेता ट्राफी, मेडल एवं नकद पारितोषिक 11 हजार प्रति टीम लेकर चैम्पियशिप की विजेता बनी

ओरिजनल एवं वास्तविकता का पक्षधर है।

यहां किसी भी प्रकार के दिखावे की परम्परा नहीं है। एकेडिमिक एवं खेल वातावरण वास्तिविकता से जुडा है। सचिव, क्रीडा परिषद डॉ. अजय मलिक ने खिलाड़ियों को हैल्थ इंजीनियर्स के रूप मे स्थापित करते हुये अपने जीवन में निरन्तर लगे रहने को प्रेरित किया। एसोसिएट प्रोफेसर एवं सदस्य क्रीडा परिषद डॉ. शिवकुमार चौहान ने कहा कि खिलाडी देश की अमूल्य निधि हैं, जिसका संरक्षण एवं बेहतर जीवन के लिए प्रयास करते रहना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में खिलाड़ियों एवं टीम कोच को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आत्महत्या के लिए युवती को था उकसाया, दो गिरफ्तार

हरिद्वार। युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। कोतवाली मंगलौर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर दो लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। मृतक युवती ने भी अपने सुसाइट नोट में दो लोगों के नाम आत्महत्या करने के लिए उकसाने के संबंध में आरोप लगाए गए थे। इस मामले में फरार चल रहे आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत थी।

डॉ. अश्वनी फार्मा रत्न अवार्ड से सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड के डॉ. अश्वनी कुमार को इस वर्ष के प्रतिष्ठित फार्मा रत्न अवार्ड 2023 के लिए चयनित किया गया है। इस पुरस्कार के लिए डॉ. अश्वनी कुमार का चयन भारत देश के जाने माने साइंटिस्टों, शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों आदि द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय स्तर की स्क्रीनिंग समिति द्वारा किया गया है। डॉ.कुमार को यह फार्मा रत्न अवार्ड इनके द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे उच्च स्तर के शोध कार्यों, उत्तराखंड की उच्च शिक्षा के क्षेत्र के विशेष योगदान मे किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जा रहा है।

यह पुरस्कार इनको आईपीजीए स्टेट ब्रांच उत्तराखंड के सहयोग से आयोजित होने वाली एक इंटरनेशनल कांफ्रेंस में प्रदान किया। डॉ. कुमार को यह अति प्रतिष्ठित पुरस्कार इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में विदेश, देश, प्रदेश के प्रतिभाग करने वाले जाने माने साइंटिस्टों शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों की गरिमामय उपस्थिति में प्रदान किया। डॉ. कुमार वर्तमान में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

अंधेरे में जंगल में गोवंश छोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

चालान

8 सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, सड़कों पर गोवंश छोड़ने वालों पर भी चालान की कार्रवाई करने को कहा

देहरादून : रात के अंधेरे में लोग गोवंश को जंगल में छोड़ रहे हैं। गोसेवा आयोग ने इसका संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, सड़कों पर गोवंश छोड़ने वालों पर भी चालान की कार्रवाई करने को कहा है। उत्तराखंड गोसेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अन्थवाल की अध्यक्षता में सामान्य कार्यकारिणी

की बैठक हुई। सचिव पशुपालन डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, निदेशक पशुपालन डॉ. बीसी कर्नाटक भी शामिल हुए। निराश्रित, बेसहारा गोवंश को आश्रय उनके भरण पोषण एवं संरक्षण और बीमारियों से बचाव चिकित्सा व्यवस्था को सुनिश्चित किए जाने के संबंध में गाइडलाइन और समय सारणी तय की गई। इसमें निराश्रित गोवंश को शरण दिलाने, क्रूरता निवारण के लिए नियमों का शक्ति से अनुपालन करने, रात को अंधेरे में गोवंशों को जंगलों में छोड़े जाने का आकलन करके कार्रवाई के लिए कहा गया। गोशाला में शरणागत गोवंश की स्थितियां, समस्या को सुनने के लिए आयोग ने हर महीने की 30 तारीख निर्धारित की है।

नर्सरी की स्थापना के संबंध में चर्चा

गोशालाओं में विभिन्न मदों में व्यय वित्तीय वर्ष के अंतर्गत आय धनराशि की स्थिति स्पष्ट की गई। खाली पड़ी भूमि को वन विभाग के सहयोग से चारा एवं पत्तीदार वृक्ष का रोपण पशुपालन विभाग के सहयोग से नर्सरी की स्थापना के संबंध में चर्चा हुई। राज्य में गोवंश अपराध पर प्रभावी रोक लगाने के लिए गोवंश संरक्षण स्क्वाड की समीक्षा में जनपद और थाना स्तर पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बोर्डिंग स्कूल के बाथरूम में छात्रा ने लगाई फांसी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून: शहर के एक बोर्डिंग स्कूल में गाजियाबाद निवासी नौवीं की छात्रा ने बाथरूम में फांसी लगाकर जान दे दी। छात्रा ने शरीर पर बांधने वाली गरम पट्टी से फंदा बनाया था। उसके कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने अपनी मां के बारे में कई बातें लिखी हैं। कुछ बातें आपत्तिजनक भी बताई जा रही हैं।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। वहीं, छात्रा की मां ने मौखिक रूप से स्कूल प्रबंधन पर कुछ आरोप लगाए हैं, लेकिन खबर लिखे जाने तक लिखित शिकायत नहीं दी गई है। एसपी सिटी सरिता डोबाल ने बताया कि घटना सोमवार

रात को हुई थी। मृतक छात्रा की पहचान वाणी पुत्री बबीता निवासी बिनसर पार्क, वैभव खंड, इंदिरापुरम गाजियाबाद के रूप में हुई है। वाणी स्कूल परिसर के हॉस्टल में रहकर बीते दस सालों से पढ़ाई कर रही थी। रात के समय वाणी अन्य छात्राओं से पहले ही अपने कमरे में आ गई थी। इस बीच छात्राओं ने देखा कि वाणी अपने कमरे में नहीं है। इस पर उन्होंने आसपास देखा तो वह नहीं मिली।

जांच जारी

8 हॉस्टल के कर्मचारियों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो सबके होश उड़ गए। वाणी फंदे पर लटक रही थी

फंदे पर लटक रही थी वाणी देखा कि बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद है।

उन्होंने आवाज लगाई लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। साथी छात्राओं ने हॉस्टल प्रबंधन को सूचना दी। हॉस्टल के कर्मचारियों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो सबके होश उड़ गए। वाणी फंदे पर लटक रही थी।

एक अप्रैल से ज्यादा देना होगा बिजली का बिल, प्रदेश में 26 लाख उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून प्रदेश के करीब 26 लाख बिजली उपभोक्ताओं को अगले साल एक अप्रैल से बिजली बिल के साथ एडिशनल सिक्योरिटी का पैसा देना होगा। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने इस रकम को 12 बराबर किश्तों में जमा कराने की सुविधा दे दी है। दरअसल, यूपीसीएल के बिजली उपभोक्ताओं पर एडिशनल सिक्योरिटी के 458.37 करोड़ रुपये बकाया हैं। बिजली बिल के साथ एकमुश्त राशि जमा कराने में उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही थी। इसके लिए यूपीसीएल ने नियामक आयोग में याचिका दायर कर किश्त का विकल्प मांगा था। आयोग के अध्यक्ष डीपी गैरोला, सदस्य तकनीकी एमके जैन की पीठ ने इस रकम को 12 किश्तों में जमा कराने का विकल्प दे दिया है। उपभोक्ता अगले साल एक अप्रैल से एडिशनल सिक्योरिटी का पैसा जमा करा सकेंगे। यह रकम बिल में जुड़कर आएगी, जिसका अलग से कॉलम भी देना होगा।

उत्तर रेलवे
नीलामी सूचना
सहायक मंडल अभियंता/चंदौसी के अधीन ट्रेनिंग कॉलेज-चंदौसी में ओ एच बनाने में बाधक 07 पेड़ों की नीलामी सहायक मंडल अभियंता/चंदौसी के कार्यालय में की जायेगी नीलामी के इच्छुक पार्टियों को आमंत्रित करता है कि नीलामी में भाग लें। नीलामी स्थान – सहायक मंडल अभियंता/उत्तर रेलवे चंदौसी के अधीन दिनांक 24.11.2023 को समय प्रातः 11:00 बजे नीलामी की जायेगी। 1. प्रत्येक क्रेता को नीलामी के दिन सहायक मंडल अभियंता/चंदौसी के कार्यालय में रुपये 100/– केवल नकद जमा करने होंगे जो वापसी नहीं किए जाएंगे तथा भारतीय स्टेट बैंक या अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक के द्वारा प्रवर मण्डल वित्त प्रबन्धक उत्तर रेलवे मुरादाबाद के पक्ष में रुपये 8000/– के मूल्य का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा करना होगा। 2. प्रत्येक क्रेता को जो नीलामी में भाग ले रहा है उसे नीलामी के द्वारा बिक्री से सम्बन्धित नियमों एवं शर्तों की जानकारी रखनी होगी। 3. सफल खरीददार को उसी दिन भारतीय स्टेट बैंक या अन्य राष्ट्रीय कृत बैंक के द्वारा प्रवर मण्डल वित्त प्रबन्धक मुरादाबाद के पक्ष में निम्नलिखित दर से डिमाण्ड ड्राफ्ट नगद स्टेशन अर्निंग में जमा करना होगा। क. रु० 1,00,000/– से अधिक की खरीद पर बिक्री मूल्य का 10 प्रतिशत एवं कम से कम रु० 25,000/– (जो भी अधिकतम हो) ख. नीलामी की कीमत का बाकी पैसा 10 दिन के अन्दर जमा करना होगा (नीलामी के दिन को जोड़कर) ग. जी.एस.टी @ 18% कुल कीमत पर देय होगा जो कि 10 दिन के अन्दर जमा करना होगा। (नीलामी के दिन को जोड़कर) 4. पैसे जमा करने की दिनांक से 60 दिन के अन्दर कार्य सम्पूर्ण करना होगा। (नीलामी के दिन को जोड़कर) 5. रेलवे को अधिकार होगा कि वह किसी भी समय कार्य को बन्द कर सकती है। ऐसी परिस्थिति में बची हुयी राशि बिना ब्याज के वापिस कर दी जाएगी। 6. पेड़ों का सम्पूर्ण विवरण लोकेशन सहित मण्डल कार्यालय मुरादाबाद में उपलब्ध रहेगा। 7. खरीददार पेड़ों की लोकेशन को ध्यान में रखते हुए रेट बोलें। 8. माल की सुपुर्दगी एवं डिलीवरी सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य, आर०पी०एफ० एवं आई०एस०ए० की उपस्थिति में की जाएगी। 9. बाकि रकम 10 दिन के अन्दर जमा करनी होगी (नीलामी के दिन को जोड़कर) अन्यथा पहली रकम जो जमा की गई है वो जब्त हो जाएगी। 10. खरीददार रेलवे की जमीन पर कोई कच्ची या पक्की झोपड़ी इत्यादि नहीं बना सकता। 11. बोली बेस प्राइस से नीचे नहीं लगायी जाएगी। 12. डिमाण्ड ड्राफ्ट सहायक मंडल अभियंता/उत्तर रेलवे चंदौसी में नीलामी के दिन प्रातः 9:00 बजे से 10:30 तक जमा किए जायेंगे बाद में कोई डिमाण्ड ड्राफ्ट स्वीकार नहीं किया जाएगा। No. S/WA/Store/tree/MB/23-24 दिनांक 27.10.2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3415/23

उत्तर रेलवे
नीलामी सूचना
सहायक मंडल अभियंता/मुरादाबाद के अधीन मुरादाबाद मालगोदाम में सुविधाओं के विस्तार में बाधक 13 पेड़ों की नीलामी सहायक मंडल अभियंता/मुरादाबाद के कार्यालय में की जायेगी नीलामी के इच्छुक पार्टियों को आमंत्रित करता है कि वे नीलामी में भाग लें। नीलामी स्थान – सहायक मंडल अभियंता/उत्तर रेलवे मुरादाबाद के अधीन दिनांक 21.11.2023 को समय प्रातः 11:00 बजे नीलामी की जायेगी। 1. प्रत्येक क्रेता को नीलामी के दिन सहायक मंडल अभियंता/मुरादाबाद के कार्यालय में रुपये 100/– केवल नकद जमा करने होंगे जो वापसी नहीं किए जाएंगे तथा भारतीय स्टेट बैंक या अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक के द्वारा प्रवर मण्डल वित्त प्रबन्धक उत्तर रेलवे मुरादाबाद के पक्ष में रुपये 8000/– के मूल्य का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा करना होगा। 2. प्रत्येक क्रेता को जो नीलामी में भाग ले रहा है उसे नीलामी के द्वारा बिक्री से सम्बन्धित नियमों एवं शर्तों की जानकारी रखनी होगी। 3. सफल खरीददार को उसी दिन भारतीय स्टेट बैंक या अन्य राष्ट्रीय कृत बैंक के द्वारा प्रवर मण्डल वित्त प्रबन्धक मुरादाबाद के पक्ष में निम्नलिखित दर से डिमाण्ड ड्राफ्ट नगद स्टेशन अर्निंग में जमा करना होगा। क. रु० 1,00,000/– से अधिक की खरीद पर बिक्री मूल्य का 10 प्रतिशत एवं कम से कम रु० 25,000/– (जो भी अधिकतम हो) ख. नीलामी की कीमत का बाकी पैसा 10 दिन के अन्दर जमा करना होगा (नीलामी के दिन को जोड़कर) ग. जी.एस.टी @ 18% कुल कीमत पर देय होगा जो कि 10 दिन के अन्दर जमा करना होगा। (नीलामी के दिन को जोड़कर) 4. पैसे जमा करने की दिनांक से 60 दिन के अन्दर कार्य सम्पूर्ण करना होगा। (नीलामी के दिन को जोड़कर) 5. रेलवे को अधिकार होगा कि वह किसी भी समय कार्य को बन्द कर सकती है। ऐसी परिस्थिति में बची हुयी राशि बिना ब्याज के वापिस कर दी जाएगी। 6. पेड़ों का सम्पूर्ण विवरण लोकेशन सहित मण्डल कार्यालय मुरादाबाद में उपलब्ध रहेगा। 7. खरीददार पेड़ों की लोकेशन को ध्यान में रखते हुए रेट बोलें। 8. माल की सुपुर्दगी एवं डिलीवरी सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य, आर०पी०एफ० एवं आई०एस०ए० की उपस्थिति में की जाएगी। 9. बाकि रकम 10 दिन के अन्दर जमा करनी होगी (नीलामी के दिन को जोड़कर) अन्यथा पहली रकम जो जमा की गई है वो जब्त हो जाएगी। 10. खरीददार रेलवे की जमीन पर कोई कच्ची या पक्की झोपड़ी इत्यादि नहीं बना सकता। 11. बोली बेस प्राइस से नीचे नहीं लगायी जाएगी। 12. डिमाण्ड ड्राफ्ट सहायक मंडल अभियंता/उत्तर रेलवे मुरादाबाद में नीलामी के दिन प्रातः 9:00 बजे से 10:30 तक जमा किए जायेंगे बाद में कोई डिमाण्ड ड्राफ्ट स्वीकार नहीं किया जाएगा। No. S/WA/Store/tree/MB/23-24 दिनांक 27.10.2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3408/23

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 02 नवंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लद्दाख में आध्यात्मिक, एडवेंचर, इको और स्वास्थ्य पर्यटन से जुड़ी अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 293 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com

उत्तराखण्ड संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

केंद्रीय विद्यालय संगठन नियुक्तियों में दिव्यांगों को 4 फीसदी आरक्षण दे : हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय विद्यालय संगठन को निर्देश दिया है कि अपनी सभी नियुक्तियों में चार फीसदी दिव्यांगों को आरक्षण दे। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि कर्ण बाधित दिव्यांगों को एक फीसदी आरक्षण देना अनिवार्य है। हाई कोर्ट ने केंद्रीय विद्यालय संगठन को निर्देश दिया कि दिव्यांगों के लिए चार फीसदी नियुक्ति प्रक्रिया छह महीने के अंदर पूरी कर ली जाए। कोर्ट ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को निर्देश दिया कि इन नियुक्तियों में आरक्षण के लिए दिशा-निर्देश जारी करे। कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग विभागों में इस मामले को लेकर अलग-अलग समझ है।

दिल्ली : प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण मंत्री ने बैठक की

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में ठंड बढ़ने और हवा की गति कम होने के कारण दिल्ली में एक्यूआई 350 के आसपास बना हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार तेजी से तापमान कम हो रहा है और हवा की गति भी काफी कम है। आने वाले 15-20 दिन दिल्ली के लिए भारी रहने वाले हैं। सीएक्यूएम ने ग्रेप-2 लागू करने के निर्देश दिया था जिसे दिल्ली में लागू किया गया है। उसके बावजूद दिल्ली में कई जगहों पर एक्यूआई का स्तर काफी बढ़ रहा है।

राजस्थान में हिंदू विरोधी कांग्रेस की सरकारः योगी

= देश की हर समस्या का नाम है कांग्रेस, इसकी सोच तालिबानी, इजराइल की गाजा में चुन-चुनकर आतंकियों को मारा जा रहा: योगी

टीम एक्शन इंडिया/अलवर

देश की हर समस्या का नाम कांग्रेस है। इसकी सोच तालिबानी है, जिसने भक्ति और शक्ति की धरती राजस्थान की परंपराओं को कलंकित करने का काम किया है। ऐसी तालिबानी सोच का इलाज बजरंगबली की गदा ही है, इसका उदाहरण इजराइल की गाजा में चल रही कार्रवाई में दिख रहा है, जहां चुन-चुनकर आतंकियों को मारा जा रहा है। ये बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां तिजारा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी योगी बालकनाथ के समर्थन में आयोजित एक जनसभा के दौरान कही।

साधा निशाना

> 8 कांग्रेस की सोच तालिबानी है, जिसने भक्ति और शक्ति की धरती राजस्थान की परंपराओं को कलंकित किया : योगी

आतंकवाद के ताबूत में मोदी-शाह ने ठोक दी है अंतिम कीलः उन्होंने कहा कि देश की हर समस्या की जड़ कांग्रेस है। कांग्रेस राज होता तो कभी भी राममंदिर मामले का समाधान नहीं होता। मगर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। अयोध्या में आज विकास की बयार बह रही है। एक तरफ सरदार पटेल देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहे थे तो वहीं कांग्रेस ने कश्मीर में धारा 370 की समस्या पैदा कर दी, जिसे हमेशा के लिए हटाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के ताबूत में अंतिम कील ठोंक दी है। कांग्रेस जो काम 70 साल में नहीं कर सकी वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साढ़े नौ साल में कर के दिखा दिया।

राजस्थान में साकार करेंगे रामराज्य की परिकल्पनाः अपने उद्बोधन में योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उत्तर प्रदेश के सुशासन और विकास की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यहां रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने का कार्य डबल इंजन की ताकत से किया जाएगा।

हिन्दू विरोधी है गहलोत सरकारः सीएम योगी

योगी आदित्यनाथ ने गहलोत सरकार को हिन्दू विरोधी बताते हुए कहा कि यहां पेशेवर अपराधियों और गुंडों को प्रश्रय दिया जाता है। साथ ही सरकार के संरक्षण में संतों को अपमानित करने का कार्य किया जाता है। जनता को तय करना होगा कि ये तुष्टिकरण का खेल आखिर कब तक चलेगा। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए बताया कि यूपी 25 करोड़ की आबादी का राज्य है, मगर किसी गुंडे की हिम्मत नहीं होती कि किसी बेटी के सम्मान से खिलवाड़ कर सके। कोई भी गुंडा किसी व्यापारी को परेशान नहीं कर सकता।

मोदी-हसीना ने 3 परियोजनाओं का किया उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संयुक्त रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन भारतीय सहायता प्राप्त विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

3 परियोजनाओं का हुआ उद्घाटनः जानकारी के लिए बता दें कि तीन परियोजनाएं हैं अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन और बांग्लादेश के रामपाल में मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट - भारत और बांग्लादेश के बीच तीन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन पर पीएम शेख हसीना ने कहा, ...मैं हमारे दोनों देशों के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने की आपकी प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करती हूं। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि एक बार फिर हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए जुड़े हैं। हमारे रिश्ते लगातार नई ऊंचाईयां छू रहे हैं। पिछले 9 वर्षों में हमने मिलकर जो काम किया है, वह इससे पहले के दशकों में भी नहीं हुआ था। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता स्थापित करने के लिए हमने दशकों से लंबित भूमि सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

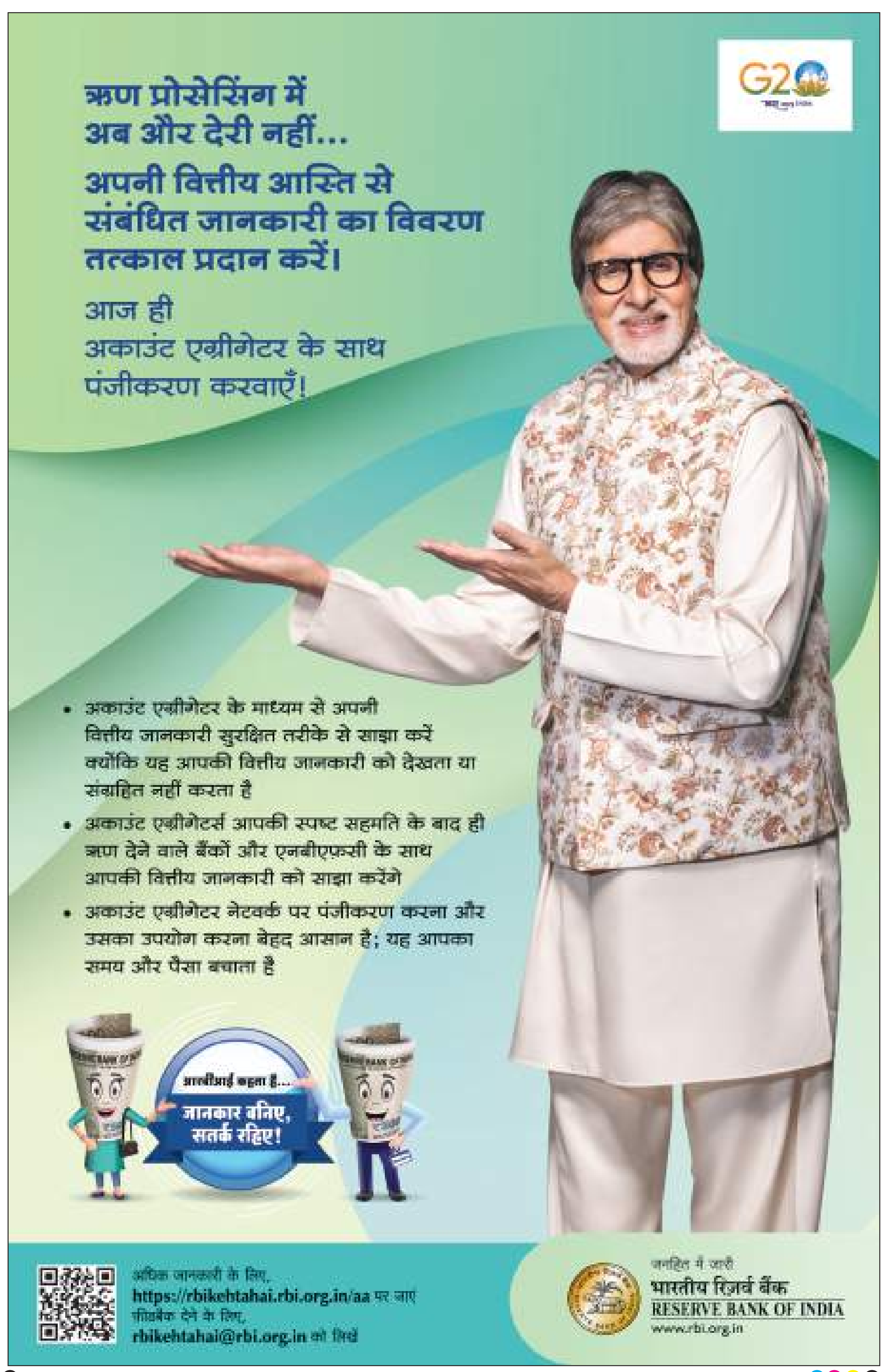

'दिल से दिल की बातचीत की जरूरत'

टीम एक्शन इंडिया/टीपा (मिजोरम)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मणिपुर में युद्धरत मैतेई और कुकी समुदायों से एक साथ बैठने और दिल से दिल से बातचीत करने की अपील की। बुधवार को राजनाथ सिंह ने म्यांमार की सीमा से लगे दक्षिणी हिस्से में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से कहा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है और मणिपुर में दोनों समुदायों को अशांत राज्य में स्थिति में सुधार के लिए एक-दूसरे से बात करनी चाहिए।

सिंह ने आगे कहा कि पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर शांतिपूर्ण रहा है। हालांकि, हमने मणिपुर में हिंसा देखी है और यह हमारे लिए दर्दनाक है।

हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं: सिंह ने कहा, 'हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। हमें दिल से दिल की बातचीत की जरूरत है। मैं दोनों समुदायों से एक साथ बैठने और विश्वास की कमी को खत्म करने की अपील करता हूं।'

हिंसा जरूरी नहीं

> 8 मणिपुर में युद्धरत मैतेई और कुकी समुदायों से एक साथ बैठने और दिल से दिल से बातचीत करने की अपील की

यूनेस्को के 55 क्रिएटिव शहरों में ग्वालियर कोझिकोड किया गया शामिल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

यूनेस्को ने 55 क्रिएटिव शहरों की सूची जारी की है, जिसमें भारत के दो शहरों को जगह मिली है। इनमें मध्य प्रदेश के ग्वालियर और केरल के कोझिकोड को यूनेस्को ने अपनी सूची में स्थान दिया है। ग्वालियर (तानसेन की नगरी) को संगीत और कोझिकोड को साहित्य के लिए चुना गया है। ग्वालियर के बेहट में संगीत सम्राट तानसेन का जन्म हुआ था। संगीत घरानों के लिए भी ग्वालियर की प्रसिद्धि है।

सावधानी बरतें स साल बारिश कम हुई इसके बावजूद डेंगू के अनेक मामले देखने में आ रहे हैं

जानलेवा हो रहा डेंगू का स्ट्रैन-2, सामने आए रिकॉर्ड मामले

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली, यूपी, बिहार, जम्मू में इस बार अक्तूबर माह में भी डेंगू के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली के राज्यपाल वी.के सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि तापमान में गिरावट के बावजूद दिल्ली में डेंगू के बढ़ते मामले और अस्पतालों में भर्ती होने वालों के आंकड़े चिंताजनक हैं। वहीं बिहार में डेंगू ने बीते तीन वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। इस वर्ष राज्य में डेंगू के अब तक 15 हजार मरीज मिल चुके हैं। इसमें सर्वाधिक 6084 मरीज अक्टूबर में मिले हैं। इसकी तुलना में सितंबर के शुरूआती 20 दिनों में डेंगू के मरीजों की संख्या सिर्फ 3187 थी। कमोबेश जम्मू, नागालैंड जैसे राज्यों में यही हालात हैं। शोधकर्ताओं और चिकित्सकों का मानना है कि बीते कुछ सालों में क्लाइमेट चेंज, तापमान में देर से गिरावट होने, अनियमित बारिश की वजह से डेंगू के संक्रमण काल की अवधि तीन माह से बढ़ गई है। अब यह करीब चार से साढ़े चार माह तक रहने लगा है। एक्सिलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज एंड वेक्टर बॉर्न डिजीज के प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर रह चुके डॉक्टर रमेश धीमान कहते हैं कि इस साल बारिश कम हुई इसके बावजूद डेंगू के अनेक मामले देखने में आ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह है कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर यहां वहां पड़े कचरे, नारियल के खोल, या ऐसी कोई भी जगह जहां थोड़ा बहुत भी पानी जमा हो वहां पनप सकता है। इस मच्छरे के अंडे काफी लम्बे समय तक किसी जगह पर पड़े रह सकते हैं और पानी मिलने पर इनमें से मच्छर निकलने लगते हैं। मलेरिया के मच्छर की रोकथाम आसान है लेकिन डेंगू के मच्छर पर लगाम लगाना काफी मुश्किल है।

संपादकीय

यातायात नियमों का अनुपालन करें

वैश्विक स्तरपर तेजी से विकास के झंडे गाड़ते हुए बढ़ती प्रौद्योगिकी से मानवीय सुख सुविधाओं संसाधनों के नए-नए उच्चस्तरीय आयामो के आविष्कार को अंजाम दिया जा रहा है, याने एक दिन का काम एक मिनट में और एक माह का काम पांच मिनट में निपटाने से सुख सुविधाओं विलोमों का मानवीय जीव आज भोग कर रहा है, परंतु फिर भी मानवीय जीव को समय की कमी आन पड़ी है और बिना किसी भय व अंजाम के सोचतेहुए शीघ्र से मंजिल तक पहुंचने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। जी हां !! हम बात कर रहे हैं परिवहन संसाधनों के विकसित माध्यमों की जो हमें स्कूटी से लेकर हैवी ट्रक तक के रूप में उपलब्ध हैं, जिनमें दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों, घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिनके कारकों मेंमुख्य रूपसे तेजगति,लापरवाही नशे में गाड़ी चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन कर मौत की भेंट चढ़ा जा रहा है, जिसमें मानवीय व यातायात गलतियों के साथ-साथ परिवहन विभाग की भी समकक्ष रूप से जिम्मेदार है, जिसकी चर्चा हम नीचे करेंगे। चूंकि दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारतमें सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 में 4.61 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं 1.68 लाख से अधिक मृत्यु और 4.43 लाख से अधिक घायलों के अधिकृत आंकड़ेदर्शाए गए हैं जिसनें एक बार फिर डरा दिया है कि, इतना बड़ा कंट्रोलर यातायात विभाग के होते हुए इतनी बड़ी दुर्घटनाएं कैसे हो गई। मैं अपनी छोटी सी सिटी गोंदिया तक में ही देखता हूं कि, किस तरह से वाहन चालक रेड लाइट क्रॉस करते हैं बिना हेलमेट, ट्रिप-चौपाल सीट, बिना हेलमेट, पीयूसी के गाड़ी चलाना 10-15 साल के बच्चों द्वारा ट्यूशन पर गाड़ी ले जाना सहित अनेक बातों से यातायात अधिकारियों की धज्जियां उड़ाई जाती है और स्टाफ देखते रहता है या फिर मलाई खाने में मस्त रहकर चुप रहता है। यहां लोग बिंदास कहते हैं कि क्या होगा जी 100-500 दे देंगे, चला देंगे काहे का चालान! और काहे की पनिशमेंट! बस!! यही क्रम मेरा मानना है कि पूरे देश में शुरू है, जिसका परिणाम इस रिपोर्ट 2022 में देखने को मिल रहा है। इसलिए इसे रोकने उच्च स्तरीय शासकीय कढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जन जागरणअभियान चलाना होगा। हर नागरिक को यातायात अधिनियमों के प्रति अपनी जवाबदेही समझनी होगी, हर ट्रैफिक सिपाही को मलाई से तौबा कर ईमानदारी का चोलाउ ओढ़ना होगा, हर खाकी को ईमानदारी से एक्शन लेना होगा, जिसके परिणाम हम आगे अगले साल आने वाली सड़क दुर्घटनाऐ रिपोर्ट 2023 में अपनी सफलताओं का रिजल्ट देख सकते हैं, यानि जीरो एक्सीडेंट जो हमारे पुराने सुखी जीवन का द्वारा होगा! चूंकि भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 के भयानक आंकड़े हमारे सामने हैं इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,68,491 लोगों ने जान गंवाई और 4,43,366 लोग घायल हो गए।

कब सुधरेगें सीवर सफाईकर्मियों के हालात

रमेश सर्राफ धमोरा

> इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवेज सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं। अधिकांश जगह आज भी मजदूर सीवेज की सफाई बिना मास्क, ग्लब्स और सुरक्षा उपकरणों के करते हैं। सीवेज की सफाई करने वालों की मौत होने के साथ ही उन पर निर्भर परिवार भी बेसहारा हो जाता है। परिवार की आमदनी का जरिया अचानक से बंद हो जाता है। देश में जाम सीवेज की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं। इससे साफ है कि हमारी गंदगी साफ करने वाले हमारे ही जैसे इंसानों की जान कितनी सस्ती है।

देश में सीवेज की सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गत दिनो केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया है कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवेज की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को उसे 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान पीठ ने कई निर्देश जारी किए। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा उच्च न्यायालयों को सीवेज से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए।

यह सच है कि प्रतिबंध के बावजूद आज भी भारत में गंदी नालियों और सैप्टिक टैंकों की सफाई इंसान के हाथों से की जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में इस तरह की सफाई करने के दौरान 347 लोगों की मौत हुई। लोकसभा में सामाजिक न्याय मंत्रालय ने एक सवाल के जवाब में माना है कि भारत में इंसानों से गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों को साफ करवाने की प्रथा अभी भी जारी है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि इस खतरनाक काम को करने के दौरान 2017 में 92, 2018 में 67, 2019 में 116, 2020 में 19, 2021 में 36 और 2022 में 17 सफाईकर्मियों की जान जा चुकी है। देश के 18 राज्यों के आंकड़े मंत्रालय के पास हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इन पांच साल में इस तरह की सफाई के दौरान सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 51 लोग मारे गए। उसके बाद तमिलनाडु में 48 लोग,

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 44 लोग, हरियाणा में 38 लोग, महाराष्ट्र में 34 लोग और गुजरात में 28 लोग मारे गए हैं।

इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवेज सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं। अधिकांश जगह आज भी मजदूर सीवेज की सफाई बिना मास्क, ग्लब्स और सुरक्षा उपकरणों के करते हैं। सीवेज की सफाई करने वालों की मौत होने के साथ ही उन पर निर्भर परिवार भी बेसहारा हो जाता है। परिवार की आमदनी का जरिया अचानक से बंद हो जाता है। देश में जाम सीवेज की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं। इससे साफ है कि हमारी गंदगी साफ करने वाले हमारे ही जैसे इंसानों की जान कितनी सस्ती है। सीवेज सफाई के काम में लगे लोगों को सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ता है। देश में पिछले एक वर्ष में सीवेज की सफाई करने के दौरान 200 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इस अमानवीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग असंगठित दैनिक मजदूर होते हैं। इस कारण इनके मरने पर कहीं विरोध दर्ज नहीं होता है। देश में करीबन 27 लाख सफाई कर्मचारी हैं। इनमें से 20 लाख ठेके पर काम करते हैं। एक सफाईकर्मी की औसतन कमाई 7 से 10 हजार रुपये प्रति माह तक होती है। गंदगी में काम करने से आधे से अधिक सफाई कर्मी तो कई बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। इस कारण अधिकांश गटर साफ करने वाले लोगों की कम उम्र में ही मौत हो जाती है। गटर साफ करने वाले लोगों के लिये बीमा की भी कोई सुविधा नहीं होती है। आमतौर पर सीवेज में उतरने से पहले सफाईकर्मी शराब पीते हैं। शराब पीने के बाद शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। तभी सीवेज में उतरते ही इनका दम घुटने लगता है।

सफाई का काम करने के बाद उन्हें नहाने के लिए साबुन, नहाने तथा पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी भी कार्यकारी एजेंसी की होती है। इसके बावजूद ये उपकरण और सुविधाएं इनको अभी तक नहीं मिल पा रही है। सुप्रीम कोर्ट इससे पहले भी ऐसी मौतों पर चिंता जताने के साथ ही सख्त टिप्पणी कर चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार कहा था कि देश में आज भी जाति के आधार पर भेदभाव किया जाता है। मनुष्य के साथ मनुष्य का इस तरह का व्यवहार सबसे अधिक अमानवीय आचरण है। इन परिस्थितियों में बदलाव होना चाहिए। दुनिया के किसी भी देश में लोगों को इस तरह के गैस चैम्बरों में मरने के लिए नहीं भेजा जाता। संविधान में प्रावधान है कि सभी मनुष्य समान हैं, लेकिन संबंधित उन्हें समान सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाते हैं। कोर्ट के निदेशों के अनुसार सीवेज की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाइन के नक्शे, उसकी गहराई का आंकड़ा, सीवेज सफाई के काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, नियमित प्रशिक्षण देने के नियम का पालन होता कहीं नहीं दिखता है। सभी सरकारी दिशा-निदेशों में दर्ज है कि सीवेज सफाई करने वालों को गैस -टेस्टर, गंदी हवा को बाहर फेंकने के लिए ब्लोअर, टॉर्च, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकने का कैप, हेलमेट मुहैया करवाना आवश्यक है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी इस बारे में कड़े आदेश जारी कर चुका है। इसके बावजूद ये उपकरण और सुविधाएं गायब है। सीवेज लाइनों की लंबाई तो हर दिन बढ़ रही है। वहीं सफाई करने वालों की संख्या में कमी की जा रही है। मैनुअल स्केवेंजर्स का रोजगार और शुष्क शौचालय का निर्माण (निषेध) अधिनियम के तहत भारत में हाथ से मैला ढोने की प्रथा को 2013 में ही प्रतिबंधित कर दिया गया था। लेकिन इस कानून में कुछ शर्तों के साथ गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों की इंसानों द्वारा सफाई कराने की इजाजत है।

इन शर्तों के तहत सफाई के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल अनिवार्य है, लेकिन अकसर नियमों का पालन नहीं किया जाता है। राजस्थान में सीकर जिले के फतेहपुर में सीवेज की खुदाई के दौरान हुई तीन मजदूरों की मौत के मामले में अपर जिला न्यायाधीश ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कंपनी के इंजीनियर सहित तीन लोगों को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानते हुये दस-दस साल के कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने माना कि काम कर रहे मजदूरों के लिए सुरक्षा का इंतजाम करना कम्पनी की जिम्मेदारी थी। उस दिन कम्पनी की ओर से सीवेज का काम किया जा रहा था। वहां सुरक्षा संबंधी पर्याय उपाय नहीं करने के कारण तीन मजदूरों को जान गंवानी पड़ी थी। अब देखना यह है कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले पर सरकारें कितनी गंभीरता दिखाती हैं।

कविता

जख़्म देने वालों के हक में की दुआ जाए
इन्तिकाम जर्बत का इस तरह लिया जाए

जब यहाँ पे हर कोई गूंगा भी है बहरा भी
किस से क्या कहा जाए किस से क्या सुना जाए

भाई भाई का दुश्मन बेटा बाप का दुश्मन
बोलो ऐसे आलम में किस तरह जिया जाए

दर्द नाक कितना है ये जहाने - तन्हाई
आओ अपनी यादों की भीड़ में चला जाए

जब खिजाँ नवाजी ही अपना मशगला ठहरा
इन्तिजारे - फस्ले - गुल किस लिए किया जाए

कोई हद भी होती है जश्ने - खुद फरेबी की
वो हँसी हँसूँ कब तक जो हँसी रुला जाए

जकी तारिक

क्रिकेट का कोहिनूर विराट कोहली

आर.के. सिन्हा

विराट कोहली का क्रिकेट के मैदान में जुझारू तरीके से खेलने के अलावा एक दूसरा भी चेहरा है। वे जब क्रिकेट नहीं खेल रहे होते, या कहें कि फुर्सत में होते हैं तो वे सपरिवार वृंदावन जाना पसंद करते हैं। विराट कोहली वृंदावन में श्री परमानंद जी का आशीर्वाद लेने जाते हैं। वे ऋषिकेश में दयानंद गिरि आश्रम में भी जाते हैं। दयानंद गिरि आश्रम में विराट और उनकी पत्नी अनुष्का तीन बार यात्रा कर चुकी है। वे इस साल के आरंभ में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने सुबह चार बजे भस्म आरती की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट कोहली ने आरती के बाद मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक किया। विराट कोहली ने गले में रुद्राक्ष की माला भी धारण की। अगर विराट कोहली की शख्सियत इस पक्ष से हटकर बात करें तो वे आजकल अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वे सारी दुनिया की क्रिकेट के सबसे सम्मानित खिलाड़ी बन चुके हैं। विराट कोहली का आगामी 5 नवंबर को 35 वां जन्म दिन है। उस दिन वे कोलकाता के ईडन गार्डन के मैदान में खेल रहे होंगे। उनके क्रिकेट मैदान की शतकों का उनके करोड़ों फैंस को इंतजार रहता है। क्या विराट कोहली अपन जन्म दिन पर साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले में शतक मारेंगे? विराट कोहली वनडे क्रिकेट में एक महारिकॉर्ड से एक शतक दूर हैं। पिछले मैच में वे इस रिकॉर्ड से महज 5 रन दूर रह गए थे। विराट के नाम वनडे में 48 शतक दर्ज हैं, सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड 49 का है जो सचिन तेंदुलकर के नाम है। अपनी तमाम उपलब्धियों के बावजूद विराट कोहली की विनम्रता अनुकरणीय है। वे बिशन सिंह बेदी के सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते थे। दिल्ली क्रिकेट के केन्द्र फिरोजशाह कोटला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों में विराट कोहली कई बार बेदी के चरण स्पर्श करते हुए देखे गए थे। उन्होंने यह मुकाम परिश्रम, साधना और पक्के इरादे से पाया था। विराट कोहली का संबंध दिल्ली के एक सामान्य बिजनेस करने वाले परिवार से है। उनका बचपन पश्चिम विहार की एलआईसी कॉलोनी में गुजरा। विराट के पापा प्रेम कोहली और मां सरोज ने उन्हें अभावों के बावजूद हरसंभव आगे बढ़ने के अवसर दिए। आजकल शांत दिखने वाले विराट कोहली कुछ साल पहले तक काफी अलग थे। वे बात-बात पर आवेश में आ जाया करते थे। एक बार आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान उनके गुस्से का शिकार एक अंग्रेजी अखबार का पत्रकार भी हुआ था। अब विराट ने विनम्रता का सहारा लेकर अपने व्यक्तित्व में सुधार किया है वराट कोहली अब देश की सरहदों को पार करके दुनिया का सबसे पसंदीदा क्रिकेटर हैं । वे क्रिकेट और ब्रांड की दुनिया के बादशाह हैं। विराट कोहली स्मार्ट और हैंडसम भी हैं।

विचार

बड़वानी जिले में भाजपा को 2018 के परिणाम बदलने की चुनौती

मध्यप्रदेश का आदिवासी बाहुल्य जिला बड़वानी जहां विधानसभा की चार सीट है। इन चारो में से तीन पर अभी कांग्रेस का कब्जा है। बड़वानी विधानसभा में प्रेमसिंह पटेल भाजपा के विधायक है। इसके अलावा राजपुर में बाला बच्चन कांग्रेस विधायक है, सेंधवा में ग्यारसीलाल रावत कांग्रेस के विधायक है, पानसेमल में चंद्रभागा किराड़े कांग्रेस की विधायक है। अब जबकि मौजूदा विधायकों में तीन अपना भाग्य फिर से आजमा रहे है। एक विधायक का पार्टी ने टिकिट काट दिया है। कांग्रेस पार्टी को वर्ष 2018 के परिणामों में तीन सीट बरकरार रखना है। एक सीट भाजपा से छीनना है। इसके विपरित भाजपा को तीन सीट कांग्रेस से जीतकर अपने पक्ष में करना है। याने बड़वानी सीट को बरकरार रखते हुए सेंधवा, राजपुर, पानसेमल सीटों पर जीत दर्ज करना है। बड़वानी जिले की आदिवासी बाहुल्य इन चारो विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जिले में इस बार आप पार्टी ने भी अपनी दस्तक दी है। वैसे आप पार्टी का अभी इस जिले में जनाधार नहीं है, किंतु जिन्हे राजनीतिक पार्टी ने टिकिट नहीं दिए उन्होंने आप से लड़ना निर्दलीय लडने से बेहतर समझा। निर्दलीय भी मैदान में है, किंतु उनका कम ही असर होगा। इस जिले में चारो विधानसभा सीटों पर भाजपाझ्रकांग्रेस की सीधी टक्कर नजर आती है।

बड़वानी में प्रेमसिंह पटेल के मुकाबले राजन मंडलोईः मध्यप्रदेश का विधानसभा क्रमांक 190 याने कि बड़वानी जहां के मौजूदा विधायक प्रेमसिंह पटेल हैं। जिले में एकमात्र भाजपा विधायक है। एमपी सरकार में कैबिनेट मंत्री भी है। वर्ष 2018 के चुनाव में कांग्रेस की फूट की वजह से सबसे अधिक मतों से विजय रहे। कांग्रेस की फूट ही वह कारण रहा जिसने कांग्रेस के उम्मीदवार को तीसरे स्थान पर धकेल दिया था। वर्ष 2018 के चुनाव में प्रेमसिंह पटेल को 88151 वोट प्राप्त हुए। कांग्रेस के उम्मीदवार रमेश पटेल को 34084 और जबके निर्दलीय उम्मीदवार राजन मंडलोई को 49334 मत प्राप्त हुए थे। वर्ष 2018 के प्रदर्शन के कारण ही कांग्रेस ने राजन मंडलोई पर भरोसा जताया है। राजन ने अपने शपथझ्रपत्र में अपनी उम्र 50 वर्ष दर्शाई है। अपनी शैक्षणिक योग्यता में बीई तथा एलएलबी करना स्वीकार किया है। भाजपा के उम्मीदवार की तुलना में युवा तथा पढ़ेझ्रलिखे है। राजन मंडलोई के सामने भाजपा के कद्दावर नेता प्रेमसिंह पटेल है। जिनकी उम्र शपथझ्रपत्र अनुसार 63 वर्ष दर्शाई गई है। प्रेमसिंह पटेल की शैक्षणिक योग्यता 4थी क्लास दर्शाई गई है। एक से अधिक बार बड़वानी विधानसभा के विधायक प्रेमसिंह पटेल का बड़वानी की राजनीति में बरसो से कब्जा बना हुआ है। उनके पुत्र बलवंत पटेल बड़वानी जिला पंचायत के अध्यक्ष है। अनुभवी प्रेमसिंह का मुकाबला कांग्रेस के युवा इंजीनियर और वकील राजन मंडलोई से है। राजन बड़वानी नपा के अध्यक्ष रह चुके है।बड़वानी की इस विधानसभा में मुकाबला भाजपाझ्रकांग्रेस के बीच ही दिखाई देता है। भाजपा को यह सीट बचाने की चुनौती है तो कांग्रेस को भाजपा से जीतकर अपने नाम करने की चुनौती दिखाई दे रही है।

पानसेमल में चंद्रभागा किराड़े विरुद्ध श्याम बरड़ेः बड़वानी जिले की अगली विधानसभा 189 पानसेमल इन दिनों काफी चर्चा में है, चर्चा का कारण कांग्रेस पार्टी के अंदर चल रही खींचतान को माना जा रहा है। कांग्रेस ने यहां फिर से विधायक चंद्रभागा किराड़े को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। चंद्रभागा किराड़े के विरुद्ध स्थानीय विरोध बड़े स्तर पर देखा जा रहा हैं।

जिसके कारण विधानसभा में विरोधी मिलकर निर्दलीय को चुनाव में उतार रहे है। एक से अधिक निर्दलीय भी चुनाव में भाग ले सकते है। यहां कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रभागा किराड़े 65 वर्षीय हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यता बीए, एलएलबी हैं। उनके मुकाबले भाजपा ने युवा चेहरे श्याम बरड़े को उम्मीदवार बनाया है। श्याम 47 वर्ष के होकर एमए हिंदी साहित्य तक पढ़े है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

आवारा पशुओं का बढ़ता आतंक

निर्मल रानी

हमारे देश का सत्ता नेतृत्व देश के आमजन की सुरक्षा की चाहे जितनी बातें करे ,अपनी तुलना स्वयंभू रूप से पश्चिमी देशों से करने लगे और इसी मुगालते में स्वयं को विश्व गुरु भी बताने लग जाये परन्तु हक़ीकत तो यह है कि हमारे देश में किसी भी साधारण व्यक्ति चाहे वह बच्चा बूढ़ा या जवान ,पुरुष महिला कोई भी हो वह कभी भी और कहीं भी सुरक्षित नहीं है। उसकी जान को हर समय खतरा बना रहता है। कब किसे सामने या पीछे से कोई छुट्टा सांड या गाय आकर उस पर हमला कर दे और उस हमले में उसकी जान तक चली जाये,कुछ पता नहीं। इसी तरह सड़कों पर घूमने वाले आवारा कुत्तों का आतंक भी गोया एक राष्ट्रीय समस्या का रूप धारण कर चुका है। आश्चर्य की बात तो यह है कि ऐसे आवारा पशुओं के हमलों में भले ही किसी की जान क्यों न चली जाये परन्तु हमारे देश में इस से सम्बंधित कोई भी ऐसा कानून नहीं जिससे इस तरह के पशुओं के हमलों में घायल होने या इससे मौत हो जाने की दशा में किसी को जिम्मेदार ठहराया जा सके। बजाये इसके हर गली मोहल्लों में आपको गोवंश की रक्षा का दंभ भरने वाले और अपने पुण्यार्थ उसकी पूजा करने वाले कुछ लोग जरूर मिल जायेंगे। ऐसे लोग यदि गोवंश को रोटी अथवा ग्रास डालकर उन्हें अपने दरवाजे या गली में आने की आदत डालते हैं तो उन्हें गोवंश को रिहाइशी बस्तियों में न्योता दे कर इनसे होने वाले हादसों का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता बल्कि लोग इन्हें धार्मिक,गौसेवक और पशु प्रेमी के रूप में देखते हैं। इनके विरुद्ध किसी कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान नहीं है। जबकि दिन प्रतिदिन इन छुट्टा गोवंशों व आवारा कुत्तों की संख्या पहले की तुलना में काफी बढ़ती जा रही है।

इसी तरह पशु प्रेमियों में एक वर्ग है जो स्वयं को 'डॉग अथवा पेट् लवर्स ' कहलाता है।

इनमें तमाम लोग तो अपने घरों में कुत्ते पालते हैं और सुबह सवेरे उन पालतू कुत्तों को लेकर अपने घर के आसपास के किसी प्लाट पर या किसी पड़ोसी के मकान के सामने उसे शौच कराते हैं।

बस पुराण

डॉ. सुरेश कुमार

इसरो के वैज्ञानिक और हमारे गाँव के बस यात्री में कोई अंतर नहीं है। एक रॉकेट की उल्टी गिनती को लेकर तो दूजा बस में सीट को लेकर बेचैन रहता है। गाँव में बड़ी मुश्किल से एक बस आती है। इसलिए सीट को लेकर बहुत मारा-मारी होती है। बस आते देखकर हम लोगों की आँखों में एक नया तेज आ जाता है। खून उफान मारने लगता है। कतार में चढ़कर हम पढ़े-लिखे बेवकूफ नहीं कहलाना चाहते थे। इसलिए जैसे ही बस रुकी सभी ने धाबा बोल दिया। दरवाजे से बूढ़े-औरतें चढ़ते हैं। असली मर्दानगी तो खिड़की से चढ़ने की है। किसी ने खिड़की पर हाथ रखा तो किसी ने पैर और किसी ने अपना सिर धर दिया। मानो ऐसा लगता किसी भूतिया फिल्म की शूटिंग चल रही हो। सारे के सारे जॉम्बी यहीं से एंट्री लेना चाहते हों। दरवाजें से चढ़ने वाले यात्री अपने भाग्य को उस समय कोसने लगते हैं जब वह सीट की ओर देखता है। सीट पर तो पहले से किसी ने अपना रुमाल, तौलिया, छतरी, गठरी, चप्पल, जूता रख दिया है। सीट छेपने के इस उपाय का पेटेंट न करवाया जाय तो बहुत जल्द नासा वाले इसका पेटेंट करवा लेंगे। पता चला कि वे अंतरिक्ष में जाकर कॉपी कैट की तरह तौलिया, चप्पल, जूते धरकर ग्रहों और तारों पर मालिकाना हक जताने लगे। अजीब स्थिति तो तब तब होती है जब एक बंदा अपनी बाहें और टांगे फैलाकर चार सीटें छेप लेता है। वैसे वे बैठने वाले दो ही बंदे हैं लेकिन चार सीटों को छेपने के पीछे का फंडा विच वन इज बेस्ट वन वाला होता है। जो सीटें अच्छी लगीं उस धर लेते हैं और बाकी छोड़ देते हैं। खिड़की वाली सीट का अपना ही मजा है। खिड़की मिल जाए तो कहने ही क्या। किंतु खिड़की मिलने का यह मजा तब फुर हो जाता है जब कोई मुँह में गुटखे का गुबार बनाए मुँह उठाकर आ जाता है। देखा जाए तो आधार कार्ड में स्त्री, पुरुष, अन्य के साथ-साथ इन लोगों के लिए भी एक कॉलम होना चाहिए। वे बस में चढ़ते ही चूहे की तरह बिल यानी अपने लिए खिड़की वाली सीट ढूँढ़ना शुरू कर देते हैं। उस समय उनके मुँह से केवल एक ही भाषा निकलती है ऊ...ऊ...ऊ...।

छड़ी यात्रा से उत्तराखंड में धार्मिक, पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : श्रीमहंत हरि

–जूना अखाड़ा की पवित्र छड़ी यात्रा ऋषिकेश से हुई उत्तराखंड के केदार खंड और मानस खंड के पौराणिक तीर्थों के लिए रवाना

उद्घोष

8 श्रद्धालुओं ने शंखनाद और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ भव्य स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश। **उत्तराखंड** के केदार खंड और मानस खंड के पौराणिक तीर्थों के भ्रमण के लिए हरिद्वार से रवाना हुई। जूना अखाड़ा की पवित्र छड़ी यात्रा का ऋषिकेश के तारामाता मंदिर में पंचदशनाम जूना अखाड़ा से जुड़े संतों व श्रद्धालुओं ने शंखनाद और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ भव्य स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया।

बुधवार की सुबह अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरी, अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेमगिरी महाराज व अखाड़े के अन्य संतों के नेतृत्व में पहुंची छड़ी यात्रा की जूना अखाडा से संबंधित तारा देवी मंदिर में मंदिर के महंत संध्या गिरी, महंत सरस्वती गिरी, खुशी गिरी, संजय शास्त्री, ऋषिकेश गिरी, गंभीर सिंह मेवाड़, पंडित मुकेश, महाकाल गिरी, सत्यम , महेश, श्री महंत रामेश्वर गिरी ने पूजा अर्चना की। इसके पश्चात छड़ी यात्रा ऋषिकेश के भरत मंदिर, सोमेश्वर मंदिर, वीरभद्र मंदिर, चंदेश्वर मंदिर, त्रिवेणी घाट स्थित दुर्गा मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंची। इसके उपरांत छड़ी यात्रा उत्तराखंड के लिए रवाना हो गई। श्रीमहंत हरिगिरी महाराज ने इस दौरान कहा कि छड़ी यात्रा का उद्देश्य आमजन में धर्म जागरण व देवभूमि उत्तराखंड में तीर्थाटन व धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिए के साथ राज्य से लगातार हो रहे युवाओं के पलायन पर रोक लगाया जाना भी है। श्रीमहंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि इस यात्रा का प्रारंभ आदि ग्रुप शंकराचार्य ने ढाई हजार वर्ष पूर्व किया था। इस छड़ी यात्रा के माध्यम से सनातन धर्म की स्थापना के साथ चारों दिशाओं में मठों की स्थापना भी की थी। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस यात्रा का प्रारंभ बागेश्वर से किया गया है ,जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में यात्रा कर ओम पर्वत और कैलाश मानसरोवर को तीर्थाटन के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने का कार्य किया। प्रधानमंत्री ने वहां जाने वाले यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए किए जाने वाले सड़क निर्माण की स्वीकृति देना है। प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्य से उत्तराखंड को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की हाल ही में की गई यात्रा और छड़ी यात्रा के माध्यम से उत्तराखंड की संस्कृति व पौराणिक तीर्थों के प्रति देश दुनिया में जिज्ञासा बढ़ी है। इसके फलस्वरूप चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे सरकार को मिलने वाले राजस्व में वृद्धि के साथ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली का आयोजन तीन नवंबर से

महोत्सव

8 तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव महेंद्र ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून में आयोजित होगा

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून
वीर गोर्खा कल्याण समिति ने बताया कि तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव महेंद्र ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून में आयोजित होगा। बुधवार को एक रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता में वीर गोर्खा कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव के बारे में बताया कि यह आयोजन महेंद्र ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून में होने जा रहा है। कार्यक्रम 3 से 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा तथा आचार्य बालकृष्ण उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वीर गोर्खा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने बताया कि इस आयोजन में पिछले साल से बेहतर तैयारी की जा रही हैं। उत्तराखंड के लोगों को हर वर्ष की भांति इस साल भी गढ़वाली, कुमाऊनी एवं नेपाली संस्कृति की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियां देखने को मिलेगी। यहां पर विभिन्न प्रकार के स्टॉल्स लगाए जाएंगे जहां पर देहरादून के लोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं एवं दिवाली की खरीदारी भी कर सकते हैं।

महासचिव विशाल थापा ने बताया कि हमारे विशिष्ट अतिथियों में डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, डीजीपी अशोक कुमार, गोर्खा डेवलपमेंट काउंसिल के प्रेसिडेंट आदि मौजूद रहेंगे। संस्था के कोषाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी टेकु थापा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कलाकारों में इस बार देहरादून के लोगों के लिए श्याम राणा मगर, जो नेपाल के बहुत ही लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध कलाकार हैं, उनके साथ ही नेपाल के एक और लोकप्रिय कलाकार बत्ती थापा मगर को भी बुलाया गया है। प्रेस वार्ता में में वीर गोर्खा कल्याण समिति के उर्मिला तामांग, सूर्य बिक्रम शाही, विशाल थापा, देविन शाही, आशु थापा, देवकला दीवान, करमिता थापा, लोकेश बन, सोनु गुरूगं, ज्योति राना, सोना शाही, एन बी थापा, बुद्धेश राई,यामु राना, मीन गुरुंग आदि उपस्थित थे।

सिमली-सलेश्वर मोटर मार्ग पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत

दुखद

8 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे उसमें सवार तीन लोगों में से एक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर। चमोली जिले के कर्णप्रयाग विकास खंड के सिमली–सलेश्वर मोटर मार्ग पर मंगलवार की देर रात्रि को एक स्विफ्ट डिजायर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे उसमें सवार तीन लोगों में से एक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गये है। घटना की सूचना पर एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू आपरेशन चलाया। एसडीआरएफ के अनुसार वाहन संख्या यूके 11 टीए 3050 सिमली से सिमलट गांव की ओर जा रहा था जो कि अचानक रास्ते में अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिससे उसमें सवार तीन लोगों में से एक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में सिमलट गांव निवासी 42 वर्षीय सुरेंद्र कुमार पुत्र प्रेमलाल है जबकि घायलों में कनोठ निवासी 40 वर्षीय संतोष चौहान पुत्र प्रेम सिंह तथा सिमलट गांव निवासी 42 वर्षीय आशीष कंडवाल पुत्र चक्रधर कंडवाल शामिल है। घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की ओर एसआई कुलदीपक पांडेय के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच कर घायलों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्णप्रयाग भिजवाया।

स्मैक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर द्वारा नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए टीमों का गठन किया हुआ है। इसकी रोकथाम को चेकिंग के दौरान पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर पंकज उर्फ प्रिंस पुत्र सुभाष कुमार निवासी लोधा मंडी कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार के पास से 6.65 ग्राम स्मैक के साथ लोधामंडी से गिरफ्तार किया। आरोपित पंकज उर्फ प्रिंस पुत्र सुभाष निवासी लोधा मंडी कोतवाली ज्वालापुर से हिस्ट्रीशीटर भी है।

निकाय चुनाव को लेकर जनपद में तैयारियां शुरू

निर्देश

8 सभी संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्टों पर कार्यक्रम प्रकाशित कराने के निर्देश दिए है

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखण्ड, देहरादून से जारी अधिसूचना के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी, चमोली ने जिले की सभी नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों (नगर पंचायत नंदा नगर और बदरीनाथ को छोड़कर) की निर्वाचक नामावलियों के विस्तृत पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए रोस्टर जारी कर दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना ने उप जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (स्थानीय निकाय) को अपने नियंत्रणाधीन निकायों की मतदाता सूचियों का इस विस्तृत पुनरीक्षण कार्यक्रम का स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा सार्वजनिक जानकारी के लिए सभी संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्टों पर कार्यक्रम प्रकाशित कराने के निर्देश दिए है। पुनरीक्षण के लिए निर्वाचकों की संदर्भ तिथि निर्धारित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी नागरिकों के नाम निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने और पुनरीक्षण के पश्चात तैयार निर्वाचक नामावलियों को ही आगामी सामान्य निर्वाचन, उप निर्वाचनों में प्रयुक्त करने के निर्देश जारी किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के विस्तृत पुनरीक्षण के लिए जारी रोस्टर के अनुसार दो से छह नवम्बर तक नगर निकायवार संगणकों (बीएलओ), पर्यवेक्षकों तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों आदि की नियुक्ति तथा कार्यक्षेत्र आवंटन एवं तद्संबंधी जानकारी प्राप्त की जाएगी। सात से नौ नवम्बर तक प्रशिक्षण अवधि रहेगी तथा 14 नवम्बर से आठ दिसम्बर तक संगणक घर–घर जाकर गणना और सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

ओप्पो इंडिया की सेंड इन रिपेयर सेवा का विस्तार 25,000 पिन कोड्स तक हुआ

देहरादून। ओप्पो इंडिया ने अपने सर्विस सेंटर 3.0 के साथ आफ्टर-सेल्स सेवा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ओपो की पिक-अप और ड्रॉप सेवा के साथ सर्विस सेंटर 3.0 भारत में 25,000 पिन कोड्स तक पहुँच चुका है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ओप्पो ने सॉफ्टवेयर समस्याओं, स्क्रीन और बैटरी के रिप्लेसमेंट, स्पीकर डैमेज और टचस्क्रीन खराब होने सहित स्मार्टफोन रिपेयर के 80प्रतिशत मामलों के लिए त्वरित 24-घंटे टीएटी की गारंटी देने के लिए अपनी कार्यक्षमता को मजबूत किया है। सर्विस सेंटर के विस्तार के बारे में ओप्पो इंडिया के सीएमओ, दमयंत सिंह खनोरिया ने कहा कि हमारा हर काम ग्राहक पर केंद्रित होता है। देश में 25,000 पिन कोड्स तक हमारी स्मार्टफोन रिपेयर पिक-अप एवं ड्रॉप सेवा का विस्तार देश के कोने-कोने में सुगम ग्राहक सेवा प्रदान करने की ओप्पो की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हम अपने उपयोगकताओं की सुविधा और संतुष्टि का दायरा बढ़ा रहे हैं, ताकि ओप्पो के ग्राहक जहाँ कहीं भी हों, उन्हें ओप्पो का अनुभव आसानी से मिले।

पिछले साल शुरू की गई ओप्पो की कस्टमर सर्विस 3.0 सेवा पहले से ही ग्राहकों को खास डिवाइसेज के लिए एक घंटे में ऑनसाइट रिपेयरिंग, नए उत्पादों का प्रदर्शन, मुफ्त पिक-अप एवं ड्रॉप और रिपेयर के लिए डेबिट क्रेडिट कार्ड द्वारा बैंक ईएमआई के विकल्प जैसे कई फायदे प्रदान करती है। ग्राहक ओप्पो के तकनीशियनों को अपनी आँखों के सामने डिवाइस ठीक करते हुए देख सकते हैं, इसलिए ओप्पो इंडिया की इस सेवा द्वारा पारदर्शी और रियल-टाइम में रिपेयरिंग की सुविधा मिलती है।

ग्राहक ओप्पो इंडिया की वेबसाइट पर जाकर 24 घंटे में सेंड-इन रिपेयर सेवा का लाभ लेने के लिए सेंड-इन रिपेयर फॉर्म जमा करके अपने स्मार्टफोन के लिए मुफ्त पिक-अप और ड्रॉप की सेवा प्राप्त कर सकते हैंय इस फॉर्म में उन्हें पिक-अप के पते के साथ डिवाइस का आईएमईआई नंबर और अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर डालना होता है। यह डिवाइस सर्विस सेंटर में पहुँचते ही ओप्पो इंडिया का 24 घंटे में रिपेयर का टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) शुरू हो जाता है।

रिपेयर के अपडेट्स लगातार ग्राहकों को एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से मिलते रहते हैं। यदि रिपेयर होने वाली डिवाइस किसी दूर-दराज के इलाके से आई है, तो पिक-अप से लेकर रिपेयर और डिलीवरी तक की प्रक्रिया 5 से 7 दिनों में पूरी हो जाती है। ओप्पो इंडिया के ग्राहक ट्विटर या फेसबुक पर ओप्पो केयर इन से संपर्क करके भी सेंड-इन रिपेयर सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

नेचर इनफोकस ने लांच किया उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट टाइगर

देहरादून। प्राकृतिक दुनिया की कहानियों में विशेषज्ञता रखने वाले अग्रणी प्रोडक्शन हाउस नेचर इनफोकस ने आज अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म, प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च की घोषणा की। 4 नवंबर 2023 को प्रस्तुत होने वाली यह डॉक्यूमेंट्री, भारत की प्रमुख संरक्षण पहल, ष्प्रोजेक्ट टाइगरष का एक अभूतपूर्व विवरण है, जो इतिहास में सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी संरक्षण परियोजना बन चुकी है। द संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड, डिस्कवरी विलेज और रेनमैटर फाउंडेशन द्वारा समर्थित यह डॉक्यूमेंट्री उस उल्लेखनीय प्रयास की छिपी हुई कहानी को उजागर करती है, जो भारत के लोकतंत्र के परिपेक्ष में घोटाले, साजिश और राजनीतिक व सामाजिक संघर्ष से भरा हुआ है। यह आपको परदे के पीछे की अनदेखी बाघों की दुनिया और उन प्राचीन जंगलों के बारे में बताती है जहाँ वो रहते हैं। साथ ही वन्यजीव अपराध से जुड़े बहुराष्ट्रीय नेटवर्क के पीछे की चौंकाने वाली सच्चाइयों को भी उजागर करती है।

कोप्पु सदाशिव मूर्ति ने बीएचईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया

टीम एक्शन इंडिया/हरिद्वार। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति होने पर, 56 वर्षीय कोप्पु सदाशिव मूर्ति ने आज इस सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने से पूर्व, श्री मूर्ति बीएचईएल में कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन समूह के कार्यपालक निदेशक थे। साथ ही साथ भारत पम्प्स एंड कंप्रेशर्स लिमिटेड (बीपीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे। मूर्ति ने वर्ष 1989 में बीएचईएल की झांसी विनिर्माण इकाई में कार्यग्रहण किया था। उन्होंने भोपाल विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और वित्त में एमबीए डिग्री अर्जित की है। श्री मूर्ति ने बीएचईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय और हैदराबाद, भोपाल, झांसी एवं वाराणसी जैसी विभिन्न विनिर्माण इकाइयों में अपने 34 वर्षों के व्यापक एवं व्यावहारिक अनुभव से रणनीतिक, परिचालन, परियोजना एवं वाणिज्यिक प्रबंधन में दक्षताओं की व्यापक श्रृंखला विकसित की है। बीएचईएल की वाराणसी विनिर्माण इकाई का नेतृत्व करते हुए, उन्होंने यूनिट पोर्टफोलियो के सभी पहलुओं की सफलतापूर्वक अगुवाई की। कोविड के दौरान कारखाने के आंशिक बंद होने यानी लाकडाउन से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, इकाई ने वित्त वर्ष 20-21 में 25 प्रतिशत राजस्व पर कर पूर्व लाभ के साथ ऐतिहासिक रूप से निम्न इन्वेंट्री स्तर एवं नकद अधिशेष जैसे उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए।

श्री देव सुमन विवि ऋषिकेश में 7 नवंबर को होंगे चुनाव

चुनाव की तारीख

8 विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष सहित पांच पदों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश। **श्री** देव सुमन विश्वविद्यालय ऋषिकेश परिसर के आगामी 7 नवंबर को होने वाले चुनाव वर्ष 2023-24 के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सहसचिव को छोड़कर अध्यक्ष सहित सभी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। इसमें अध्यक्ष पद पर अनिरुद्ध शर्मा को उतारा गया है। यह घोषणा बुधवार को विद्यार्थी परिषद के नगर विस्तारक अक्षय राव ,जिला प्रमुख विवेक शर्मा, नगर अध्यक्ष रामगोपाल, नगर मंत्री आकाश उनियाल, पूर्व नगर अध्यक्ष प्रवीन रावत ,पूर्व छात्र संघ प्रत्याशी ऋतिक पाठक, उपाध्यक्ष केशव पोखरियाल ने ऋषिकेश प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान करते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया है, कि वह फिलहाल सह सचिव के पद को छोड़कर अध्यक्ष पद पर अनिरुद्ध शर्मा उपाध्यक्ष पद पर निहारिका तिवारी, सचिव पद पर अनुज पाल, कोषाध्यक्ष पद पर आरती नेगी ,यूआर पद पर अंकित तोपवाल के नाम की घोषणा की है इसके अतिरिक्त सचिव पद पर दो नामों के आने के बाद आपसी सहमति के आधार पर उनके नाम की घोषणा बाद में की जाएगी। नगर विकास मंत्री आकाश ने उक्त नामों की घोषणा करते हुए कहां की विद्यार्थी परिषद महाविद्यालय में अपने कामों को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि परिषद के माध्यम से विद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए टैबलेट की व्यवस्था कराई गई है, तो वही विद्यालय के विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति करवाई गई है, तो वहीं अब महाविद्यालय में लाइब्रेरी का निर्माण ,मास्टर लाइब्रेरी के अतिरिक्त छात्र छात्राओं के आने जाने की सुविधा के लिए शहर में सिटी बस और छात्रों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के अतिरिक्त छात्रों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में रजिस्ट्रार अधिकारी की नियुक्ति जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी। इसी के साथ उन्होंने एनएसयूआई संगठन पर महाविद्यालय छात्र संगठन पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी किए जाने का आरोप भी लगाया।

स्वामी नरसिंहानंद ने हमास का इजराइल पर हमले की निंदा की

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश। फायर ब्रांड जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी नरसिंहानंद गिरी ने हमास का इजराइल पर किए गए हमले की निंदा करते हुए कहा कि आज जो लोग हमास के साथ हैं, कल वह हमारा भी इसी तरह कत्ल करने का प्रयास करेंगे। जैसे इजराइल में यहूदियों की औरतों, निर्मम बच्चों, सैनिकों और वृद्ध जनों का 7 अक्टूबर को खुलेआम कत्लेआम किया था। इसे देखते हुए आज पूरी दुनिया को इस्लाम के जिहाद के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। नरसिंहानंद गिरी ने यह बात ऋषिकेश के मायाकुंड स्थित तारा माता मंदिर में पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि आज हिजबुल्ला और अलकायदा में कोई अंतर नहीं है। सारे यह आतंकवादी संगठन मूलतः जिहादी संगठन हैं जो मोहम्मद और मोहम्मद की विचारधारा से चलते हैं। पूरी दुनिया को आज उनसे लड़ने के लिए खड़ा होना चाहिए। विशेष रूप से हम, सनातन न मानने वालों के लिए दुनिया में हम सबसे पुराने शिकार हैं। हमें इनसे लड़ने के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आज देखा जाए तो दुनिया दो हिस्सों में बंट चुकी है। एक वह जो हमारे और आपके साथ हैं। दूसरी अलकायदा के साथ है ,जो तालिबान के साथ हैं जो आईएसआईएस के साथ हैं। एक तरफ वो लोग एक हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं, यदि उन्हें जीवित रहना है तो हमास और हमास के जैसे जितने भी दुनिया में संगठन और लोग हैं।

काबुल हाउस के अवैध कब्जेदारों पर सरकार का शिकंजा

केस

8 जिलाधिकारी ने शत्रु संपत्ति न खाली करने वाले भूमाफियाओं के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून। जिलाधिकारी देहरादून ने शत्रु संपत्ति न खाली करने वाले भूमाफियाओं के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। बुधवार को इस प्रकरण में पैरोकार भाजपा नेता इस्लामुद्दीन अंसारी ने बताया कि जिलाधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर भूमाफिया के विरुद्ध आपराधिक वाद दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। शत्रु सम्पत्ति संख्या 15–बी (नया नंबर 24) काबुल हाउस ईसी रोड की वाद संख्या 6/2022–23 सरकार बनाम भगवती प्रसाद बनाम आदि में पारित निर्णय के क्रम में जांच के बाद भूमाफिया के विरुद्ध आपराधिक वाद दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अपने पत्र में जिलाधिकारी ने कहा है कि साक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद यह संज्ञान में आया है कि प्रकरण में उच्च न्यायालय उत्तराखंड का आदेश पारित होने के बाद भी शत्रु सम्पत्ति को कूट की तहसील सदर में उस समय नियुक्त कर्मचारियों से मिलीभगत करके राजस्व अभिलेखों में अपना उत्तराधिकार दर्ज कराया गया।

तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर
सबसे ऊंचे हिमपर्वत श्रृंखला पर विराजमान तृतीय केदार श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गए हैं। इस अवसर पर डेढ़ हजार श्रद्धालुओं ने बाबा तुंगनाथ के दर्शन किये। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने श्री तुंगनाथ के कपाट बंद होने के अवसर पर सभी श्रद्धालुजनों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहली बार तुंगनाथ में एक लाख पैंतीस हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किये हैं। बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार और मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने कपाट बंद होने के अवसर पर तीर्थयात्रियों का आभार जताया है। मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने कहा कि कपाट बंद होने और श्री तुंगनाथ की डोली यात्रा सफल समापन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। कपाट बंद होने के कार्यक्रम के अवसर पर बुधवार को प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में श्री तुंगनाथ के कपाट खुल गये थे। इसके बाद प्रातः कालीन पूजा-अर्चना और दर्शन शुरू हो गये। तत्पश्चात दस बजे से कपाट बंद की प्रक्रिया शुरू हो गयी। बाबा तुंगनाथ के स्वयंभू लिंग को स्थानीय फूलों भस्म आदि से ढंक कर समाधि रूप दे दिया गया। इसके बाद ठीक ग्यारह बजे पूर्वाह्न श्री तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के बाद श्री तुंगनाथ की देव डोली मंदिर प्रांगण में आ गयी और मंदिर परिक्रमा के पश्चात देवडोली चोपता को प्रस्थान हुई। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि दो नवम्बर को श्री तुंगनाथ की देव डोली भनकुन प्रवास करेगी, तीन नवम्बर को भूतनाथ मंदिर होते हुए शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ पहुंचेगी तथा तीन नवम्बर को यहां पर देवभोज का आयोजन किया जायेगा।

जानकारी

बच्चों को दूसरी महिला से स्तनपान कराना कितना सुरक्षित?

खतरनाक नहीं, लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

कई महिलाएं होती हैं, जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है?

दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। हालांकि यह स्थिति तब बनती है जबकि बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के स्तनों में दूध नहीं आता या बहुत कम दूध आता है, जो बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं होता। हर शिशु के लिए मां का दूध शुरुआती समय में एक संपूर्ण आहार माना जाता है, लेकिन, ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है? आपको बता दें कि दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। आपने अपनी दादी या नानी से भी इसके बारे में सुना ही होगा कि उन्होंने घर या रिश्तेदारों में किसी और के बच्चे को अपना स्तनपान करवाया है और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अगर आपके स्तनों में दूध की मात्रा बहुत ही कम बनती है या दूध होता ही नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वेट-नर्सिंग की मदद ले सकते हैं।

कितना सुरक्षित है वेट-नर्सिंग?

विशेषज्ञों की मानें, तो किसी और के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाना खतरनाक नहीं है, लेकिन, यह पूरी तरह से सुरक्षित भी नहीं है। यह बच्चे के लिए कितना सुरक्षित है, यह स्तनपान करवाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं आज के समय में एक-दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं। कई मामलों में यह पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है, लेकिन कुछ हालातों में किसी और से अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर स्तनपान कराने वाली महिला गंभीर बीमारी की मरीज हो, जैसे: एचआईवी, कैंसर या दूसरी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या तो यह बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर महिला किसी तरह के नशीले पदार्थों का सेवन करती हो, जैसे शराब, सिगरेट आदि। अगर महिला नियमित तौर पर किसी तरह के दवा की आदी हो।

नहाकर आप हमेशा ही फ्रेश फील करते हैं पर क्या आप भरोसा करेंगे कि नहाने के कुछ नुकसान भी हैं। नहीं न! तो आइए हम आपको बताते हैं नहाते वक्त ऐसी कौन सी चीजें न करें, जिससे आपके शरीर या त्वचा को कोई नुकसान पहुंचे।

ठंड में नहाते समय 5 गलतियां खराब कर सकती है आपकी त्वचा और बाल

आपको हर दिन नहाने की जरूरत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्या कभी हर दिन नहाना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है? हो सकता है कि नहाने के कारण भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच रहे हो। आपको न पता हो पर नहाते वक्त आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल भी पानी के साथ बह जाते हैं। इसके अलावा बहुत देर तक गर्म और ठंडे पानी से नहाने के भी आपको नुकसान होते हैं। इसके लिए जरूरी है हम कुछ चीजों को नहाते वक्त करने से बचें। आइए हम आपको बताते हैं इन्हीं कुछ चीजों को बारे में।

गर्म पानी से न नहाएं

हमें न तो बहुत गर्म पानी से नहाना चाहिए, न ही बहुत ठंडे पानी से, क्योंकि इसके कारण आपके शरीर को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं तो कोशिश करें कि हमेशा ही गुनगुने पानी से नहाएं, जिसका तापमान बैलेंस हो। पर कुछ लोग ज्यादा आराम पाने के लिए गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन इससे आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। दरअसल गर्म पानी आपकी त्वचा से प्राकृतिक तेलों को निकाल सकता है। गर्म पानी की वजह से भी आपकी त्वचा खुजली और सूखी हो सकती है। यदि आप ठंडे स्थान पर भी रहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि पानी का तापमान नहाते वक्त ज्यादा न हो, जिससे आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल बने रहें।

बहुत लंबे समय तक नहाने से बचें

शॉवर में 30 मिनट बिताना आपके लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन आपकी त्वचा के लिए यह हानिकारक हो सकता है। यह आपकी त्वचा से नेचुरल लिपिड को हटा सकता है, जो त्वचा को नम रखने के लिए पानी को त्वचा में बांधकर रखने में मदद करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शॉवर में 10 मिनट से ज्यादा न बिताएं। साथ ही बाल्टी के पानी से धीरे-धीरे नहाएं। इससे आपकी त्वचा पर सीधे पानी की धार नहीं पड़ेगी और त्वचा एक दम से ठंडी और गर्मी के लिए सेंसिटिव भी नहीं होगा।

बहुत ज्यादा सुगंध वाले साबुन के इस्तेमाल से बचें

सुगंध वाले साबुन में ऐसी सामग्री भी होती है, जो आपकी त्वचा से नमी को छीन सकती है। ये त्वचा में अत्यधिक सूखापन पैदा कर सकते हैं। अक्सर साबुनों में पैराबिन्स, सिंथेटिक रंग, सुगंध, सोडियम लॉरिल सल्फेट और फॉर्मेल्डिहाइड शामिल होते हैं, जिससे शरीर की त्वचा पर अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों को तो इन साबुनों से इंफेक्शन भी हो जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि बिना सुगंध वाले और मिल्क प्रोटीन वाले साबुनों का इस्तेमाल करें। अगर आप साबुन से नहाकर अपने पसीने की बदबू को हटाना चाहते हैं, तो आप नहाते वक्त पानी में इत्र डाल सकते हैं। इसके अलावा आप साबुन लगाने के बाद एक बार नहाकर कोई सुगंधित तेल लगा लें और फिर नहा लें। इससे आपके शरीर की त्वचा सुगंधित भी रहेगी और मॉइश्चराइज भी।

नहाने के बाद शरीर को अच्छे से सुखाएं

कुछ लोग नहाने के बाद शरीर को बिना अच्छे से सुखाए ही कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर में लगे हुए पानी के कण बाद में दाद और खुजली का कारण भी बन सकते हैं। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि आप साबुन और अन्य उत्पादों को अच्छी तरह से धोकर नहाएं। इससे आपके त्वचा के पोर्स भी ब्लाक हो सकते हैं, जिससे मुंह पर मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए मुंहासों को रोकने के लिए अपने बालों को अच्छी तरह से साफ करें।

गीले तौलिए से शरीर न पोंछे

कोशिश करें कि नहाने के बाद सूती कपड़े से शरीर को पोंछे। दरअसल सूती तौलिया शरीर के पानी को अच्छे से पोंछता है और साफ कर देता है। साथ में कोशिश यह भी करें कि नहाने के बाद शरीर को गीले तौलिए से न पोंछे। इससे स्किन इंफेक्शन्स हो सकते हैं। इससे आप दाद-खाज और खुजली से हमेशा बचे रह सकते हैं।

सेहत

वैज्ञानिकों ने बताया भारतीयों में क्यों छोटा होता है दिमाग

छोटा दिमाग होने का है फायदा

भारतीयों में पश्चिमी व पूर्वी देशों की तुलना में छोटा दिमाग होता है, इस बात का खुलासा हाल में हुए एक अध्ययन में किया गया। शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय ब्रेन एटलस बनाया है, जिसमें कि अध्ययन से पता चला है कि पश्चिमी और अन्य पूर्वी देश की आबादी की तुलना में भारतीय मस्तिष्क, औसतन, ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा में छोटा है, लेकिन इसमें कोई बुरा मानने या नुकसान वाली कोई बात नहीं है, बल्कि फायदा है। जी हां शोधकर्ताओं ने बताया कि छोटा दिमाग, अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी और मस्तिष्क संबंधी अन्य बीमारियों के जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। यह शोध 'जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया' में प्रकाशित हुआ है। सेंटर फॉर विजुअल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जयंती शिवस्वामी, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम किया ने कहा कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) टेम्पलेट, जो मानक के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे कोकेशियान ब्रेन का उपयोग करके बनाया गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह भारतीय आबादी में मस्तिष्क के अंतर का विश्लेषण करने के लिए आदर्श नहीं है, क्योंकि भारतीयों का दिमाग टेम्पलेट से छोटा होता है, जो कि कई स्कैन में साबित हुआ है।

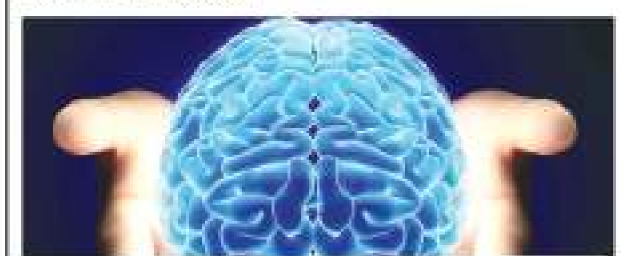

जयंती शिवस्वामी ने बताया कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) की तुलना में भारतीय दिमाग आकार में छोटा होता है, स्कैन में आने वाले अंतर चिंताजनक और खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एमआरआई इमेज की तुलना एमएनआई टेम्पलेट से की गई। अध्ययन के आधार पर स्पष्ट सबूत हैं कि बड़े एटलस का निर्माण करना जरूरी है, क्योंकि यह संरचनात्मक रूप से समझना महत्वपूर्ण है कि सामान्य क्या है। इससे मस्तिष्क की कई स्थितियों को जल्द पकड़ने में मदद मिलेगी।

कैसे किया गया अध्ययन?

इस अध्ययन में जयंती ने बताया कि टेम्पलेट निर्माण के लिए उन्होंने चीन और कोरिया की आबादी का ब्रेन स्ट्रक्चर तैयार किया। जबकि भारतीयों के दिमाग का एटलस बनाने का यह पहला प्रयास था, जिसमें भारतीय मस्तिष्क एटलस बनाने में आईआईआईटी-हैदराबाद टीम द्वारा पहले प्रयास में 50 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे, जिसमें स्कैनिंग मशीनों में भिन्नता का पता लगाने के लिए इन विषयों के दिमाग के एमआरआई स्कैन को तीन अलग-अलग अस्पतालों में तीन अलग-अलग स्कैनरों में लिया गया। पायलट अध्ययन के परिणामों के अनुसार, एटलस के अंतिम निर्माण में 100 इच्छुक प्रतिभागियों को भर्ती करने के लिए आगे बढ़े, जिन्हें आईबीए 100 कहा जाता है।

जयंती ने कहा एटलस को विभिन्न आबादी के लिए अन्य एटलस के खिलाफ मान्य किया गया था। ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा यानि वॉल्यूम में ये अंतर संरचनात्मक स्तर पर भी पाए जाते हैं, जैसे कि हिप्पोकैम्पस की मात्रा, लेकिन कुल मिलाकर, IBA 100 चीनी और कोरियाई एटलस के साथ दूर के कोकेशियान एक (MNI) की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम वर्तमान में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कई परिवर्तन हैं जो मस्तिष्क में बढ़ती उम्र के कारण होते हैं, जिसमें सबसे विशिष्ट है, संरचनाओं का सिकुड़ना उन्होंने यह भी कहा कि इससे डिमेंशिया या अल्जाइमर का इलाज करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि वे हिप्पोकैम्पस से जुड़े हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम होगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। पद में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। पदमर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी होगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हों समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी होगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों को सिद्धि है। घर तथा व्यवसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2634

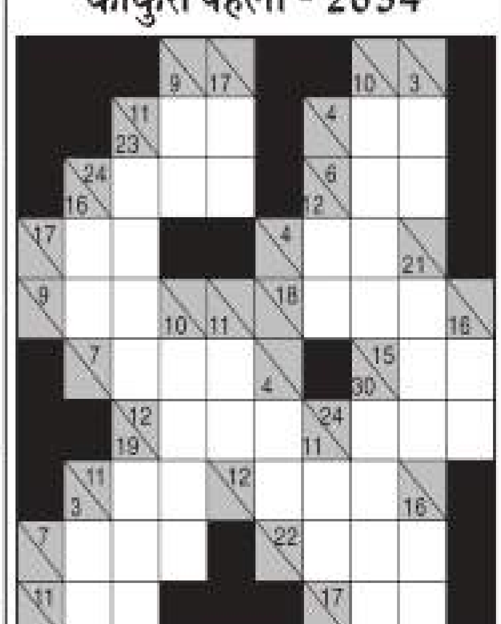

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो - 2633 का हल

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा- 'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला- 'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली- 'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था- 'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा- 'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली - 2634

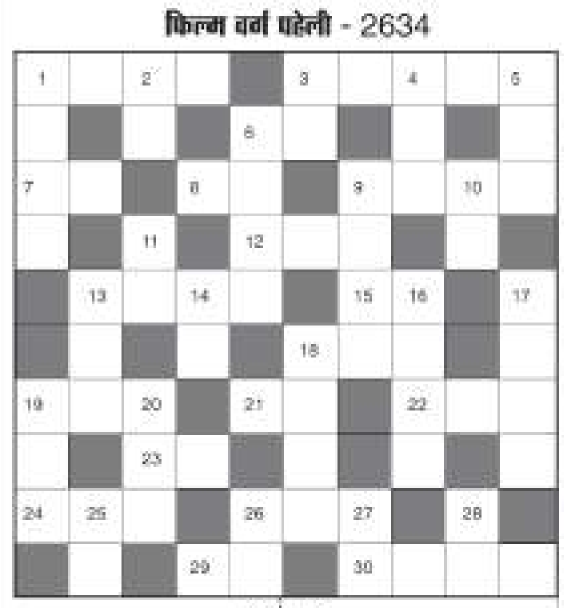

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा बच्चा और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मनु, सोनाली की 'किस्से के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तो दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरुख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'बाल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे न देखूं तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-३
३०. सुनील सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आया' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, ग्रेसी, जूही की फिल्म-२,१
२. अतीन भक्त, शहली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, करीना की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, संजय, उर्मिला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम अगर ले आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूं हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तान' में रजिया सुल्तान की शीर्षक भूमिका किसने की है-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'जवान तो मार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2633

सूडोकु -2634

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहेली में मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2633 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2634

बाएं से दाएं

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घाव-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अडिग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीप,चिकुल-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.नटखट-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आईक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नाक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली - 2633 का हल

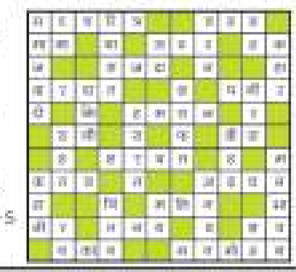

फिटनेस पर स्टोइनिस का खास ध्यान, भारतीय खानसामे के साथ कर रहे विश्व कप में यात्रा

अहमदाबाद। अपने खानपान को लेकर काफी सजग आस्ट्रेलियाई हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस विश्व कप के दौरान पूरे भारत में अपना निजी खानसामा लेकर यात्रा कर रहे हैं ताकि उन्हें 'लो कार्ब डाइट' (कम कार्बोहाइड्रेट वाला खाना) मिल सके। 34 वर्ष के स्टोइनिस कीटोजेनिक (फैट ज्यादा, कार्ब कम) डाइट पर हैं जिसमें प्रोटीन के साथ बेक किया हुआ ओट्स शामिल है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार फ्रेंच खाना बनाने में माहिर मुंबई मे जन्मे कोच वेल्टन सालडाना विश्व कप में स्टोइनिस के साथ यात्रा कर रहे हैं और आस्ट्रेलियाई टीम के किचन में उनके लिए खास खाना बनाते हैं।

स्टोइनिस ने कहा, 'भारत के कई खिलाड़ी ऐसा करते हैं और मुझे वहीं से यह आइडिया मिला। मैं अपने खानपान को लेकर काफी अनुशासित हूं।' वैसे आस्ट्रेलियाई टीम के पास अपना रसोइया भी है लेकिन स्टोइनिस ने अपना निजी शेफ रखा है। रिपोर्ट में कहा गया, 'गार्लिक नान वह नहीं खाते। ग्लूटन फ्री बनाना ब्रेड और भुनी हुई गोभी का भर्ता खाते हैं। भुना हुआ बटर चिकन भी उन्हें पसंद है।'

स्टोइनिस इस साल आईपीएल के दौरान लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल की सलाह पर सालडाना से मिले थे जो शिकागो और न्यूयॉर्क में कई बड़े रेस्त्रां में काम कर चुके हैं।

लियोन फुटबॉल टीम की बस पर हमले के बाद फ्रेंच लीग मैच स्थगित, 9 लोग हिरासत में

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने लियोन फुटबॉल टीम और प्रशंसकों को लेकर जा रही बसों पर हिंसक हमले के बाद नौ लोगों को हिरासत में लिया है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। इस हमले में ल्योन टीम के कोच फैबियो ग्रोसो के सिर में चोट लग गयी जिसके बाद मार्सेले में फ्रेंच लीग का मैच स्थगित कर दिया गया। फ्रांस के मंत्री गेराल्ड डरमानिन ने बीएफएम टीवी पर कहा कि रविवार को रात हुए इस हमले में पांच पुलिस अधिकारी भी घायल हो गये। यह घटना वेलोड्रोम स्टेडियम के बाहर हुई जिसमें 'प्रोजेक्टाइल' से हमला किया गया और बस की खिड़कियां टूट गई। कांच के टुकड़ों से कोच ग्रोसो घायल हो गये और उनके चेहरे से खून बहने लगा। क्लब के सहायक कोच राफाएल लोंगो भी इस दौरान घायल हो गए। ग्रोसो की आंख के ऊपर गहरी चोट आई है जिस पर टांके लगाये गए। हालांकि नौ बार की चैम्पियन टीम के खिलाफ अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाने की संभावना नहीं है क्योंकि यह घटना स्टेडियम के बाहर हुई थी।

वानखेड़े स्टेडियम में भारत बनाम श्रीलंका मैच से पहले लगेगी सचिन तेंदुलकर की पहली प्रतिमा

मुंबई। चर्चगेट के प्रसिद्ध 49 साल पुराने वानखेड़े स्टेडियम में जल्द ही सचिन तेंदुलकर की प्रतिमा लगने जा रही है। सचिन इसमें परिचित 'लॉफ्टेड ड्राइव' शॉट लगाते दिखेंगे। तेंदुलकर की आदमकद से भी बड़ी प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, स्वयं क्रिकेटर और अन्य गणमान्य व्यक्ति स्टेडियम के 'सचिन तेंदुलकर स्टैंड' में करेंगे, जो आईसीसी वनडे मैचों की मेजबानी के लिए तैयार है। यह प्रतिमा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा बनाई गई है। वानखेड़े वास्तव में तेंदुलकर का घरेलू क्रिकेट मैदान है।

प्रतिमा लगाने की योजना जून-जुलाई में बनी थी। यह प्रतिमा तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन (24 अप्रैल) को एमसीए की ओर से श्रद्धांजलि के रूप में बनाई गई थ। बांद्रा के निवासी तेंदुलकर ने वानखेड़े स्टेडियम में कई सर्वश्रेष्ठ मैच खेले हैं और रिकॉर्ड बनाए है। यहीं पर उन्होंने नवंबर 2013 में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। अहमदनगर के प्रसिद्ध मूर्तिकार प्रमोद कांबले ने इस प्रतिमा को बनाया है। कांबले के अनुसार- तेंदुलकर की प्रतिमा 14 फीट ऊंची है। इसमें वह उस क्लासिक मुद्रा में दिखेंगे जिसके लिए वह जाने जाते थे। पहले इस प्रतिमा को एमसीए क्लब में रखा जाना था लेकिन बाद में एमसीए अधिकारियों ने इसे 'सार्वजनिक जगह' पर लगाने का फैसला लिया ताकि सभी इसे देख सकें।

विश्व कप : मुंबई में कोई आतिशबाजी नहीं होगी ; बीसीसीआई सचिव जय शाह

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में गुरुवार को वनडे विश्व कप 2023 के 33वें मैच में श्रीलंका के खिलाफ भारत के मैच से पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि मुंबई में कोई आतिशबाजी नहीं होगी।

जय शाह ने एक बयान में कहा कि भारतीय क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था पर्यावरण संबंधी चिंताओं के प्रति संवेदनशील है, जिसके लिए वे इस मामले को आईसीसी के पास ले गए और फैसला किया कि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए वानखेड़े स्टेडियम में कोई आतिशबाजी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि बीसीसीआई पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रशंसकों और हितधारकों के हितों को हमेशा सबसे आगे रखेगा। शाह ने कहा, बीसीसीआई पर्यावरण संबंधी चिंताओं के प्रति संवेदनशील है। मैंने इस मामले को औपचारिक रूप से आईसीसी के समक्ष उठाया है। मुंबई में कोई आतिशबाजी का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। बोर्ड पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और हमेशा इस पर ध्यान देगा। हमारे प्रशंसकों और हितधारकों का हित सबसे

आगे है। उन्होंने आगे कहा कि बीसीसीआई ने मुंबई और नई दिल्ली दोनों में वायु गुणवत्ता को लेकर तत्काल चिंता को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई मुंबई और नई दिल्ली दोनों में वायु गुणवत्ता को लेकर तत्काल चिंता को स्वीकार करता है। जबकि हम क्रिकेट के उत्सव के अनुरूप आईसीसी विश्व कप की मेजबानी करने का प्रयास करते हैं, हम अपने सभी लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। भारत को अपना अगला मैच गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है। भारत आईसीसी विश्व कप में अब तक खेले गए सभी छह मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड तालिका में सबसे नीचे है।

श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले रोहित शर्मा ने कहा-वानखेड़े मेरे लिए एक विशेष स्थल

मुंबई। आईसीसी एकदिनी विश्व कप 2023 में गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए एक विशेष मैदान है।आईसीसी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया जहां रोहित शर्मा ने वानखेड़े स्टेडियम से अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में बात की। भारतीय कप्तान ने कहा कि एक क्रिकेटर के रूप में वह आज जो कुछ भी है, वह अपनी सीख के कारण हैं और यह सब वानखेड़े में हुआ है।

उन्होंने कहा कि मुंबईवासी अपने क्रिकेट से प्यार करते हैं और इसकी झलक वानखेड़े स्टेडियम में देखी जा सकती है। रोहित ने कहा, वानखेड़े एक विशेष स्थल है, मेरा सबसे अच्छा स्थल है। एक क्रिकेटर के रूप में मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मेरी सीख के कारण है और यह सब वानखेड़े में हुआ है। इसलिए इसे कोई नहीं हरा सकता। मुंबईकर अपने क्रिकेट से प्यार करते हैं और आप देख सकते हैं वानखेड़े स्टेडियम में हलचल, यह पागलपन है। स्टेडियम में छोटे-छोटे क्षेत्र हैं, विशेष रूप से उत्तरी स्टैंड, जिसे आप जानते हैं कि

वानखेड़े का सबसे प्रसिद्ध स्टैंड है, वहां जो लोग आते हैं वे सच्चे क्रिकेट प्रशंसक हैं।

भारतीय टीम ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की टीम फिलहाल टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बिना शीर्ष पर चल रही है। इंग्लैंड के खिलाफ रोहित शर्मा ने 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारतीय टीम 229 रनों के स्कोर तक पहुंच सकी। इसके बाद मोहम्मद शमी ने चार विकेट हासिल किए, जबकि बुमराह ने तीन विकेट लेकर भारत को 100 रनों से बेहतरीन जीत दिलाई। भारतीय कप्तान को उनकी 87 रन की पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

आयरलैंड की सफेद गेंद क्रिकेट टीम के कप्तान नियुक्त हुए पॉल स्टर्लिंग

नई दिल्ली। पॉल स्टर्लिंग को आयरलैंड की सफेद गेंद क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। स्टर्लिंग एंडी बालबर्नी के पद छोड़ने के बाद अंतरिम आधार पर टीम की कप्तानी कर रहे थे। बालबर्नी टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। 33 वर्षीय स्टर्लिंग ने पहले 22 मौकों पर टीम का नेतृत्व किया है, जिसमें आयरलैंड को 2024 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दिलाना भी शामिल है। उनकी नियुक्ति 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले अगले एकदिवसीय विश्व कप के चक्र की शुरुआत में हुई है, जिसमें आयरलैंड का लक्ष्य 2019 और 2023 में चूकने के बाद 2027 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। कप्तान नियुक्त किये जाने पर स्टर्लिंग ने कहा, आयरलैंड के लिए खेलना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा है और स्थायी सफेद गेंद के कप्तान

के रूप में पुष्टि होना एक ऐसी मान्यता है जिसे मैं हल्के में नहीं लेता। अंतरिम कप्तान के रूप में पिछले कुछ महीनों में हेनरिक [मलान] और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने में मुझे बहुत मजा आया है, लेकिन हम सभी जानते हैं कि अगले चार वर्षों में हमारे पास संभावित रूप से तीन विश्व कप अभियान हैं और काम अब शुरू होता है। उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में कहा था कि एकदिवसीय क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है, और जब 50 ओवर का विश्व कप चल रहा है तो उसे देखना वास्तव में मेरे लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक महान प्रेरक रहा है कि हम 2027 में अगले आयोजन में वहां मौजूद हैं। मैं इस इच्छा को जानता हूं यह पूरी टीम में एक आम भावना है, और इसलिए हम दिसंबर में होने वाली अगली श्रृंखला में इस अभियान का उपयोग करने का प्रयास करेंगे।

हम यह भी मानते हैं कि अगले टी20 विश्व कप में अब केवल आठ महीने हैं, इसलिए हमारी तैयारियों की घड़ी अच्छी तरह से शुरू हो गई है।

आयरलैंड के भारत में चल रहे एकदिवसीय विश्व कप में जगह बनाने में विफल रहने के बाद बालबर्नी ने सफेद गेंद की कप्तानी छोड़ दी थी। स्टर्लिंग ने बाद में टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर के साथ-साथ भारत और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए कार्यभार संभाला।

फीफा विश्व कप 2034 की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा सऊदी अरब

जेनेवा। सऊदी अरब ने 2034 फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी में रुचि दिखाई है, फीफा ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। विश्व फुटबॉल शासी निकाय को 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी के लिए मोरक्को, पुर्तगाल, स्पेन और उरुग्वे से भी रुचि की पुष्टि मिली है।

फीफा ने घोषणा की कि इस पहले चरण के बाद फीफा विश्व कप के दोनों संस्करणों के लिए पूरी तरह से बोली प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें मेजबानों की नियुक्ति 2024 में फीफा कांग्रेस में एकत्र हुए सदस्य संघों द्वारा की जाएगी।

मूल्यांकन रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले फीफा बोलीदाताओं के साथ बातचीत शुरू करेगा। फीफा कांग्रेस रिपोर्टों पर चर्चा करेगी और संबंधित प्रतियोगिताओं के मेजबानों की नियुक्ति करेगी।

तैराक वीरधवल खड़े ने राष्ट्रीय खेलों को भारत में अपना आखिरी टूर्नामेंट माना

पणजी। महाराष्ट्र के वीरधवल खड़े ने 37वें राष्ट्रीय खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल में तैराकी का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस 32 वर्षीय तैराक ने भारत के उभरते हुए तैराकी सनसनी श्रीहरि नटराज को पछाड़ कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने जैसे ही दीवार को छुआ वह जोश के साथ हवा में उछल पड़े। उनके जोश और जश्न से यह बिल्कुल साफ था कि स्वर्ण पदक जीतना, उस व्यक्ति के लिए कितना मायने रखता है, जो 2008 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय तैराक बने थे। खड़े ने 2010 एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर तैराकी में अपने 24 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। वीर के नाम से मशहूर खड़े ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय खेल भारत में उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है और वह इसे शानदार प्रदर्शन के साथ खत्म करना चाहते थे।

खड़े ने पदक जीतने के बाद कहा, इस पदक की खास बात यह है कि मैंने अपना पहला राष्ट्रीय पदक 2001 में गोवा में जीता था और आज ऐसा महसूस हो रहा है कि गोवा में ही फिर से राष्ट्रीय स्तर पर आखिरी स्वर्ण पदक जीतना, मेरे जीवन का सपना पूरा हो गया है।

भारत के सबसे प्रतिष्ठित तैराकों में से एक ने कहा, तब, मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि मैं वैसा तैराक बनूंगा जैसा आज हूं, इसलिए मैं वास्तव में सभी कोचों और उन सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं।खड़े ने 2001 में मडगांव में जूनियर नेशनल्स में शानदार प्रदर्शन किया था और फिर उन्होंने बाद में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े। घुटने की चोट के बाद महाराष्ट्र सरकार में उनकी नौकरी की मांग के कारण कोल्हापुर में जन्मे तैराक को अपने अपने करियर के दौरान कुछ साल गंवाने पड़े। उन्होंने कहा, हालांकि, मैंने 2018 में जोरदार वापसी की और टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। 2001 में एक प्रतिभाशाली युवा तैराक बनने से लेकर एक अनुभवी तैराक के रूप में गोवा वापस आने तक के अपने सफर के बारे में बात करते हुए खड़े भावुक हो गए और उन्होंने आगे के अपने प्लान के बार में बताया। खड़े ने कहा, दिल से, तो मैं अभी भी खुद को जवां महसूस करता हूं, लेकिन शरीर अब थका हुआ लगता है। बहुत साल बीत गए और इस दौरान मैं बहुत अधिक तैर चुका हूं। मैं अब उतनी जल्दी ठीक नहीं हो पाता, जितनी पहले हुआ करता था। स्वर्ण पदक विजेता तैराक ने आगे कहा, पहले मैं बिना पसीना बहाए 10 इवेंट कर सकता था, लेकिन अब तीन इवेंट भी करना बहुत मुश्किल लगता है।

हॉकी इंडिया ने 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर वंदना कटारिया को दी बधाई

रांची। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी वंदना कटारिया को 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी। उत्तराखंड के रोशनाबाद की रहने वाली वंदना ने मौजूदा महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में जापान के खिलाफ भारत के मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। यह मैच भारत ने 2-1 से जीता।

इसके साथ ही वंदना 300 अंतरराष्ट्रीय खेल खेलने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गईं। भारत मौजूदा महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में अब तक अजेय रहा है, उसने थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला गेम 7-1 से जीता, अपने दूसरे मैच में मलेशिया के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की और फिर रोमांचक मुकाबले में चीन को 2-1 से हराया। इसके बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराया। टीम 2 नवंबर 2023 को कोरिया से भिड़ेगी।

वंदना तब सुर्खियों में आईं जब वह जर्मनी के मोनचेंग्लादबाक में जूनियर महिला विश्व कप में भारतीय टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहीं और टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह

ओलंपिक खेलों में हैट्रिक बनाने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी भी हैं। उन्हें 2022 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। अनुभवी फॉरवर्ड 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2017 महिला एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य थीं। उन्होंने टीम को 2022 एशिया कप में कांस्य पदक दिलाने में मदद की, एफआईएच प्रो लीग 2021/22 में तीसरे स्थान पर रहीं और फिर एफआईएच नेशंस कप 2022 जीता। उनके नाम पर 2022 राष्ट्रमंडल कांस्य पदक भी है। इस उपलब्धि पर वंदना ने कहा, 'मुझे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला है। मेरी 300वीं कैप अर्जित करना वास्तव में मेरे लिए एक विशेष क्षण है और इसकी स्मृति मेरे दिमाग में लंबे समय तक रहेगी। यात्रा वास्तव में विशेष रही है और मैं बार-बार राष्ट्रीय जर्सी पहनकर धन्य महसूस करता हूं। मैं हॉकी इंडिया, अपने साथियों और सहयोगी स्टाफ को वर्षों से उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने वंदना कटारिया को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा, 'मैं वंदना कटारिया को उनकी 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने के लिए बधाई देता हूं।

हमें इसी जीत का इंतजार था, अब नजरें सेमीफाइनल में जगह बनाने पर : फखर जमां

कोलकाता। बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेट की जीत से निश्चित रूप से पाकिस्तानी टीम का मनोबल बढ़ा होगा और सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने कहा कि वे सारी 'अगर-मगर' के बावजूद सेमीफाइनल में जगह बनाने पर ध्यान लगाए हैं। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण की बदौलत बांग्लादेश को 204 रन के स्कोर पर समेटकर 32.3 ओवर में जीत हासिल कर अपने नेट रन रेट में इजाफा किया।

जमां ने मैच के बाद कहा कि विश्व कप में हर जीत आपका आत्मविश्वास बढ़ाती है। हमें भी इस जीत का इंतजार था। उन्होंने कहा कि हमने अपनी लय हासिल करनी शुरु कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हमने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में

वापसी की। उन्होंने कहा कि हमारा संयोजन सही बैठ रहा है। मैं आठ साल से इस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहा हूं और यह और मजबूत होगा। जमां ने 81 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और अब्दुल्ला शफीक (68 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 128 रन की भागीदारी निभाई जिससे दोनों तेजी से जीत की ओर बढ़ना चाहते थे। जमां ने कहा कि हम इस समय जिस स्थिति में हैं, हम 29-30 ओवर में लक्ष्य का पीछा करना चाहते हैं। 'अगर-मगर' तो रहेगी लेकिन हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल है और हम इसके लिए ही प्रयास करेंगे।

वहीं, पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन की तारीफ की और उम्मीद जतायी कि इस जीत से अंतिम दो मैचों से पहले उनका मनोबल बढ़ेगा। आजम ने कहा कि खिलाड़ियों को श्रेय जाता है, जिस तरह से उन्होंने तीनों विभागों में प्रदर्शन किया, यह शानदार रहा। हम जानते हैं कि फखर जब क्रीज पर जम जाता है तो वह कैसा खेलता है। उसे फिर से ऐसा करते हुए देखना शानदार रहा। उन्होंने कहा कि हम अपने बचे हुए मैच जीतने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि हम कहां पहुंचते हैं।

जब मोहम्मद कैफ को इंग्लैड के कप्तान ने समझा बस ड्राइवर, पूर्व क्रिकेटर ने सुनाया किस्सा

पुणे। मौजूदा एकदिवसीय विश्व कप में भारत बनाम इंग्लैंड मुकाबले के दौरान भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने एक घटना को याद किया जहां इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने उन्हें बस ड्राइवर कहा था। कैफ मैच के कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे, ने दर्शकों के साथ घटना साझा की। यह मैच 29 अक्टूबर रविवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था जिसमें भारत ने लगातार छठी जीत दर्ज की थी। यह पहली बार नहीं था जब कैफ ने इस बारे में बात की थी। यह घटना 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल के दौरान घटी। इस मैच के दौरान इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कैफ की खिंचाई करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें बस चलानी चाहिए, मुझे लगता है कि वह तेंदुलकर को बस में घुमाते हैं।' हुसैन ने पहले इस घटना के बारे में खुलासा किया था। कैफ ने विश्व कप 2023 में भारत बनाम इंग्लैंड मैच पर कमेंट्री करते हुए इस घटना को याद किया।

गौर हो कि भारत ने 326 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए खुद को मुश्किल स्थिति में पाया। सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, दिनेश मोंगिया और राहुल द्रविड़ सहित अपने शीर्ष पांच बल्लेबाजों को खोने के बाद भारत की संभावनाएं धूमिल लग रही थीं। हालांकि मोहम्मद कैफ ने चुनौती की ओर कदम बढ़ाया और बीच में बल्लेबाजी करने आए। युवराज सिंह के साथ मिलकर कैफ ने शानदार साझेदारी की जिससे अंततः भारत को जीत मिली। कैफ ने असाधारण पारी खेलते हुए 75 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 87 रन बनाए। भारत की सफल जीत में उनका योगदान अहम रहा। युवराज सिंह ने भी अहम भूमिका निभाते हुए 63 गेंदों पर 9 चौकों और एक छक्के की मदद से 69 रन बनाए। ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने 15 रन की तेज पारी खेली। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन ने कैफ को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। यह जीत भारतीय टीम के लिए यादगार रही, क्योंकि उन्होंने तीन गेंद शेष रहते हुए दो विकेट से मैच जीत लिया।

ACTION INDIA
एक्शन इंडिया
Front Page - 2
एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 02 नवंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653
RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

भारत एक है और एक रहेगा: राज्यपाल

टीम एक्शन इंडिया/रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत एक है और एक रहेगा। हम एक रहकर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हैं। हम एक रहकर मानवता की भावना को पल्लवित और पुष्पित कर सकते हैं। राज्यपाल बुधवार को आठ राज्यों आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और पांच केंद्रशासित प्रदेशों चंडीगढ़, दिल्ली, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान एवं निकोबार के स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन सभी एक दूसरे की भाषा और भावना का सम्मान करते हैं। एकता के साथ-साथ विश्व-बंधुत्व की भावना हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसका परिचय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना महामारी के समय दिया। जब विश्व के विभिन्न देशों को नि:शुल्क कोविड टीका प्रदान किया गया। उनके नेतृत्व में हमारी अर्थव्यवस्था नित्य-नया मुकाम हासिल कर रहा है।
राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में मानवता के प्रति जो धर्म निभाया, उसे विश्व सदियों तक याद रखेगा। आज हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है कि समाज की मुख्य धारा से वंचित लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि लोग अपनी भाषा, संस्कृति के साथ अन्य की भी भाषा, संस्कृति जानने का प्रयास करें एवं उनका आदर और सम्मान करें।
कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के लोक गीत एवं लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई। इस दौरान राज्यपाल ने सभी के सुख-समृद्धि की कामना की और विभिन्न प्रदेशों के लोगों सम्मानित भी किया।

हम किसानों को एमएसपी का गारंटी कानून देंगे: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

टीम एक्शन इंडिया/यमुनानगर

हरियाणा दिवस के मौके पर रादौर में बुधवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे।

पराली जलाने की घटनाओं में कमी ला रही योगी सरकार

प्रदेश के किसानों को जागरूक करने के लिए सरकार चला रही अभियान, न मानने वालों पर बरती जा रही है सख्ती

जागरूक

8 सख्ती का ही असर है कि किसानों के फसल जलने की घटनाओं में भी कमी दर्ज की गई है

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाने के लिए योगी सरकार निरंतर जागरूक कर रही है। फिर भी न मानने वालों पर सख्ती कर जुर्माना आदि की कार्रवाई की जा रही है। इससे चलते साल दर साल पराली जलाने की घटनाओं में कमी आ रही है। सख्ती का ही असर है कि किसानों के फसल जलने की घटनाओं में भी कमी दर्ज की गई है। वहीं एनसीआर के कई जनपदों में भी लोग जागरूक हुए हैं। सरकार की कोशिश है कि पराली जलाने की घटनाओं में काफी हद तक कमी आ जाए।

2022 में पराली जलाने की 3017 घटनाएं हुई थीं, 2023 में अब तक 906: फसल अवशेष प्रबंधन पर सरकार का काफी जोर है। यदि पराली जलाने की घटनाओं से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो 2022 में इससे जुड़े 3017 मामले सामने आए थे। योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान व सख्ती से 2023 के 10 महीने में महज 906 मामले ही सामने आए। आंकड़ों पर नजर डालें तो पराली जलाने के 2017 में 8784, 2018 में 6623, 2019 में 4230, 2020 में 4659, 2021 में 4242 मामले प्रकाश में आए थे। योगी सरकार के सख्त रवैये से निरंतर पराली जलाने के मामलों में कमी दर्ज की जा रही है।

फसल जलने की घटनाओं में भी दर्ज की गई कमी: पराली के कारण फसल जलने की घटनाओं में भी काफी कमी आई है। 30 अक्टूबर तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2020 में 1132 स्थानों पर ऐसी घटनाएं हुई थीं। 2021 में यह घटकर 890 हुई तो 30 अक्टूबर 2023 में 748 मामले ही प्रकाश में आए। पीलीभीत में 30 अक्टूबर 2022 तक जहां 98 प्रकरण आए थे, वहीं 84 प्रकरण 2023 में अब तक आए हैं। इस क्रम में शाहजहांपुर के लोगों ने काफी प्रयास किया। वहां 2022 में 223 मामले प्रकाश में थे, जो इस वर्ष तक अभी 48 ही सामने आए हैं।

एनसीआर के जिलों में भी आई जागरूकता: पराली जलाने से रोकने में एनसीआर के जिलों में भी जागरूकता आई है। शामली में 30 अक्टूबर 2022 तक छह स्थानों पर ऐसी घटनाएं सुनाई दी थीं तो 2023 में 5, मेरठ में 4 के मुकाबले 3, बुलंदशहर में 7 के मुकाबले 6 और बागपत में दो के सापेक्ष एक घटनाएं प्रकाश में आईं। वहीं हापुड़ में पिछले वर्ष दो मामले प्रकाश में आए थे। इस वर्ष जागरूकता के कारण अब तक एक भी घटना नहीं हुई।

फसल अवशेष जलाए जाने से रोकने के लिए की जा रही कार्यवाही

फसल अवशेष जलाए जाने से रोकने के लिए की जा रही कार्यवाही फसलों के अवशेष जलाने से रोकने के लिए योगी सरकार आई०ई०सी० कार्यक्रमों के माध्यम से प्रचार प्रसार कर रही है। जागरूकता कार्यक्रम, कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम व प्रचार-प्रसार से इस पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है। बायोडिकम्पोजर की आपूर्ति एवं कृषकों में नि:शुल्क वितरण के साथ ही फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र एवं फार्म मशीनरी बैक अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन वाले कृषि यंत्रों का वितरण किया जा रहा है। जनपदों में गन्ना, बेसिक शिक्षा, राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, स्थानीय निकाय, पुलिस, परिवहन, कृषि इत्यादि विभाग के अधिकारियों के समन्वय से प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। फसल अवशेष आधारित ईकाइयों का प्रचार-प्रसार कर उनमें पराली की आपूर्ति कराने व जनपद स्तरीय टास्क फोर्स का गठन कर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर भी योगी सरकार जागरूक कर रही है।

रिकॉर्ड कलेक्शन: अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 13 फीसदी बढ़ा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दीपावली से पहले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह से सरकार का खजाना भर गया है। अक्टूबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर 13 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि अक्टूबर में जीएसटी राजस्व संग्रह सालाना आधार पर 13 फीसदी उछल कर 1.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इससे पिछले महीने में जीएसटी संग्रह 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा था। यह जीएसटी राजस्व संग्रह का दूसरा सबसे उच्चतम मासिक आंकड़ा है।
अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले अक्टूबर 2022 में जीएसटी संग्रह 1.52 लाख करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2023 में जीएसटी संग्रह 1,72,003 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीएसटी 30,062 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 38,171 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 91,315 करोड़ रुपये (माल के आयात पर संग्रह किए 42,127 करोड़ रुपये सहित) और सेस 12,456 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सेस में माल के आयात से मिले 1294 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह अहमदाबाद में मॉर्निंग वॉक के दौरान साबरमती रिवर फ्रंट का भ्रमण किया। इस दौरान धामी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। गुजरात के विकास पर उनके विचार सुने।

यूपीआई से अक्टूबर में 17.16 लाख करोड़ रुपये का हुआ लेन-देन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए लेन-देन में लगातार इजाफा हो रहा है।
यूपीआई ने अक्टूबर में कुल 17.16 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1141 करोड़ लेन-देन प्रोसेस किया है। यह लगातार तीसरा महीना है, जब यूपीआई के जरिए 1000 करोड़ से ज्यादा लेन-देन किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एक्स पोस्ट पर बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर में कुल 17.16 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1141 करोड़ लेन-देन किए गए हैं। सितंबर में यूपीआई से 15.80 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,056 करोड़ लेन-देन हुए थे। अगस्त में 15.76 लाख रुपये मूल्य के 1058 करोड़ लेन-देन यूपीआई के जरिए किए गए थे।
एनपीसीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में यूपीआई प्लेटफॉर्म ने कुल 139 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 8,376 करोड़ लेन-देन को प्रोसेस किया था। उससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में 84 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 4,597 करोड़ लेन-देन प्रोसेस किए गए थे।

गांधी मैदान में 25 हजार शिक्षकों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

टीम एक्शन इंडिया/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में राज्य के करीब सभी जिलों से पहुंचे 25 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे।